मंगलवार , 17 नवंबर 2026, ठाणे, मुंबई

दैनिक सिटी न्यूज मुंबई

सच का जोश

वर्ष - 15 • अंक - 81 CITY NEWS MUMBAI

विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी का ऐलान

उत्तर प्रदेश की स्क्रीनिंग कमेटी का अध्यक्ष अजय माकन को बनाया गया है, जबकि असलम शेख और बीवी श्रीनिवास इसके सदस्य होंगे। पंजाब में डॉ. सिरिवेल्ला प्रसाद को अध्यक्ष बनाया गया है। सचिन सावंत और निवेदित अल्वा सदस्य होंगे। कांग्रेस ने अगले साल होने वाले 5 राज्यों के विधानसभा चुनावों की तैयारी तेज कर दी है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर के लिए स्क्रीनिंग कमेटियों का गठन किया। इन कमेटियों को चुनाव से पहले उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया में अहम जिम्मेदारी दी जाएगी। पार्टी के सीनियर नेता और कोषाध्यक्ष अजय माकन को उत्तर प्रदेश स्क्रीनिंग कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है, जबकि पंजाब की जिम्मेदारी सिरिवेला प्रसाद को सौंपी गई है। उत्तराखंड में पार्टी महासचिव दीपा दासमुंशी, गोवा में कर्नाटक के मंत्री केजे जॉर्ज और मणिपुर में बीएम संदीप को कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से जारी आधिकारिक बयान के मुताबिक, सभी नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी। उत्तर प्रदेश के लिए गठित



स्क्रीनिंग कमेटी में अजय माकन अध्यक्ष होंगे। उनके साथ असलम शेख और बीवी श्रीनिवास को सदस्य बनाया गया है। पंजाब की कमेटी में सिरिवेला प्रसाद अध्यक्ष होंगे, जबकि सचिन सावंत और निवेदिथ अल्वा सदस्य की भूमिका निभाएंगे। उत्तराखंड में दीपा दासमुंशी की



अध्यक्षता वाली कमेटी में अनिल चौधरी और पाल भाई अंबालिया को शामिल किया गया है। गोवा में केजे जॉर्ज के नेतृत्व वाली स्क्रीनिंग कमेटी में सतेज डी पाटिल और शफी परंबिल सदस्य होंगे। वहीं, मणिपुर में बीएम संदीप को अध्यक्ष बनाया गया है। इस कमेटी में हिबी ईडन और राजेश ठाकुर को सदस्य की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा संबंधित राज्यों के प्रभारी एआईसीसी महासचिव, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष, कांग्रेस विधायक दल के नेता और राज्य प्रभारी महासचिव से जुड़े एआईसीसी सचिव भी इन कमेटियों के पदेन सदस्य होंगे।

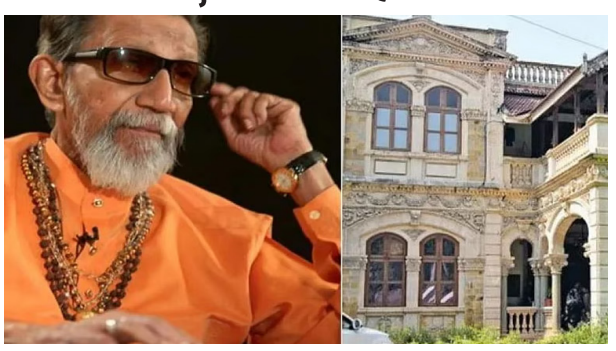
मफलर मैन के नाम पर फडणवीस को घेरकर रोहित पवार ने खोला नया मोर्चा, CM की तस्वीर सामने लाकर उठाए सवाल

अजित पवार विमान हादसे की जांच को लेकर रोहित पवार की प्रेस कॉन्फ्रेंस ने महाराष्ट्र की राजनीति गरमा दी है। उन्होंने VSR कंपनी और CM फडणवीस के संबंधों पर सवाल उठाए। रोहित पवार ने मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अजित पवार विमान हादसे की जांच पर सवाल उठाए। उन्होंने VSR कंपनी और उसके मालिक वीके सिंह को लेकर आरोप दोहराए। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की तस्वीर दिखाकर उनके कथित संबंधों पर सवाल किए। रोहित पवार ने मामले की जांच सीबीआई को सौंपने की मांग



की। मुं मुख्यमंत्री का नाम इस विवाद से जुड़ने के कारण लेकिन नकारात्मक पक्ष यह है कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का नाम इस विवाद से जुड़ने के कारण विपक्ष को सरकार पर हमले का नया अवसर मिल गया है। यदि जांच में देरी होती है तो यह मामला राजनीतिक रूप से और बड़ा हो सकता है। हालांकि केवल तस्वीर के आधार पर किसी गलत संबंध या अपराध का निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। रोहित ने भी मुख्यमंत्री को विमान हादसे का जिम्मेदार नहीं बताया है। अब फडणवीस के सामने सबसे बड़ी चुनौती राजनीतिक बयानबाजी से आगे बढ़कर जांच की स्थिति स्पष्ट करने की है। बई में अजित पवार विमान हादसे की जांच को लेकर रोहित पवार की प्रेस कॉन्फ्रेंस ने महाराष्ट्र की राजनीति में नया विवाद खड़ा कर दिया है। अब तक VSR कंपनी और उसके मालिक वीके सिंह ...शेष 7 पर

जनवरी 2027 में आम जनता के लिए खुल सकता है बालासाहेब ठाकरे राष्ट्रीय स्मारक, जानें क्या होगा खास



मुंबई के दादर स्थित ऐतिहासिक महापौर बंगले में बन रहा बालासाहेब ठाकरे राष्ट्रीय स्मारक अंतिम चरण में है। लेजर शो, वर्चुअल रियलिटी जनवरी 2027 में खुलेगा। दादर के ऐतिहासिक महापौर बंगले में बन रहा बालासाहेब ठाकरे राष्ट्रीय स्मारक। पहले चरण का काम दिसंबर 2024 में पूरा हो चुका है। परियोजना के दोनों चरणों के लिए 400 करोड़ रुपये की प्रशासनिक मंजूरी। जनवरी 2027 तक स्मारक ...शेष 7 पर

NAGPUR TO MUMBAI बदलेगा महाराष्ट्र का नक्शा! समृद्धि महामार्ग के किनारे 292 गांवों की चमकेगी किस्मत;जानिए कैसे



समृद्धि महामार्ग के किनारे 10 जिलों के 292 गांवों के विकास के लिए एमएसआरडीसी मास्टर प्लान तैयार करेगा।1,800 वर्ग किमी क्षेत्र में जीआईएस मैपिंग,आधुनिक टाउनशिप की योजना। समृद्धि महामार्ग के किनारे 10 जिलों के 292 गांवों को विकास योजना में शामिल किया जाएगा। करीब 1,800 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र के लिए जीआईएस आधारित मास्टर प्लान तैयार करने की योजना। कृषि प्रसंस्करण, फूड पार्क, औद्योगिक हब, आधुनिक टाउनशिप और ...शेष 7 पर

झीलों में 84% से कम पानी, रेन वाटर हार्वेस्टिंग पर BMC की सुस्ती से बढ़ी चिंता

मुंबई में कम बारिश और अल नीनो के प्रभाव से झीलों का जलस्तर 84 प्रतिशत से नीचे पहुंच गया है। ऐसे में BMC की रेन वाटर हार्वेस्टिंग योजना पर सवाल उठ रहे हैं। कम बारिश और अक्टूबर की गर्मी के कारण मुंबई को पानी सप्लाई करने वाली झीलों का जलस्तर पिछले साल के मुकाबले काफी कम है। BMC ने वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने की पहल की थी, लेकिन इसके प्रभावी क्रियान्वयन पर सवाल उठ रहे हैं। नगरसेवकों ने मांग की है कि BMC यह जांच करे कि किन इमारतों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम वास्तव में काम



कर रहा है। अलनीनो के चलते इस वर्ष शहर में अन्य वर्षों के मुकाबले कम बारिश हुई जिसकी वजह से मुंबई में पानी की आपूर्ति करने वाली झीलें भी पूरी तरह नहीं भर सकी। मानसून जाने के बाद अक्टूबर हीट में झीलों से वाष्पीकरण भी तेजी से हुआ और इसका जलस्तर में देखने को मिला। पिछले वर्ष जहां नवंबर महीने में झीलों का पानी 95 प्रतिशत के आसपास था। वही इस वर्ष 84 प्रतिशत से भी कम है। पानी की बढ़ती मांग और भूजल स्तर में गिरावट को देखते हुए बीएमसी ने वर्ष 2012 में वर्षा जल संचयन (रेन वाटर हार्वेस्टिंग) को बढ़ावा देने की बात कही थी, लेकिन तब से लेकर अब तक इस विषय में बीएमसी की तरफ से कुछ खास प्रगति नहीं हुई। नगरसेवकों की मांग, सोसायटियों पर लगे जुर्माना बीएमसी नियमों के मुताबिक, एक हजार वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्रफल वाले भूखंडों और नए लेआउट में वर्षा जल संचयन की व्यवस्था करना अनिवार्य है। बीएमसी के एक अधिकारी ने बताया कि ओसी देने से पहले बिल्डरों ...शेष 7 पर

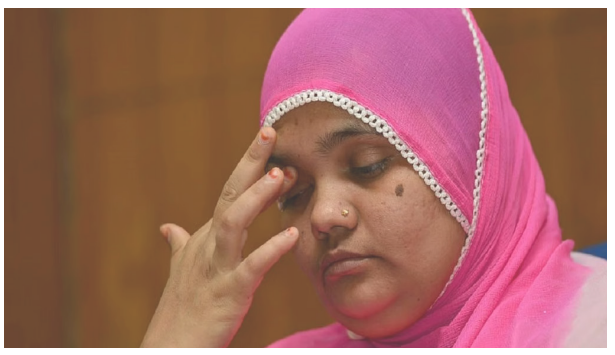
फिलीपींस में PM मोदी का भव्य स्वागत, बच्चों ने पढ़े संस्कृत श्लोक; आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में लेंगे हिस्सा

PM मोदी दो दिवसीय दौरे पर मनीला पहुंचे, जहां उनका भव्य स्वागत हुआ। वह 23वें आसियान-भारत और 21वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। पीएम मोदी का मनीला एयरपोर्ट पर भव्य स्वागत हुआ, लोगों ने 'मोदी-मोदी' के नारे लगाए। प्रधानमंत्री 23वें आसियान-भारत और 21वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर प्रधानमंत्री के सम्मान में रात्रिभोज आयोजित करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय दौरे पर रविवार को फिलीपींस की राजधानी मनीला पहुंच गए। मनीला अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उनका भव्य स्वागत किया गया। फिलीपींस के सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव रॉबर्ट जोसेफ मोंटेस डी क्लारो ने प्रधानमंत्री का स्वागत किया। पीएम मोदी को देखते ही वहां मौजूद लोगों ने 'मोदी-मोदी' के नारे लगाने शुरू कर दिए। इस दौरान 'भारत माता की जय' के नारे भी गूंजे। बच्चों ने संस्कृत के श्लोक पढ़कर प्रधानमंत्री का स्वागत किया। पीएम मोदी ने लोगों से हाथ मिलाया और उनका अभिवादन किया। कलाकारों ने नृत्य प्रस्तुत किया और प्रधानमंत्री के स्वागत में रंगोली भी बनाई गई। प्रधानमंत्री मोदी फिलीपींस में 23वें आसियान-भारत और 21वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। एक्ट ईस्ट पॉलिसी और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र पर रहेगा जोर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "पीएम नरेंद्र मोदी 23वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और 21वें ईस्ट एशिया समिट में हिस्सा लेने के लिए मनीला पहुंचे। पीएम का स्वागत फिलीपींस के सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव रॉबर्ट जोसेफ मोंटेस डी क्लारो ने किया। यह दौरा भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी और इंडो-पैसिफिक विजन के लिए आसियान के साथ पार्टनरशिप को पक्का करता है।" प्रधानमंत्री की यह यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब भारत और आसियान वर्ष 2026 को 'आसियान-भारत समुद्री सहयोग वर्ष' के रूप में मना रहे हैं। इसके अलावा, वर्ष 2027 में भारत और आसियान के संवाद संबंधों के 35 साल और व्यापक रणनीतिक साझेदारी के पांच साल पूरे होंगे। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में आसियान-भारत कार्य योजना 2026-2030 समेत व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तहत हुई प्रगति की समीक्षा की जाएगी। साथ ही, दोनों पक्षों के बीच भविष्य में सहयोग की दिशा तय की जाएगी। फिलीपींस के राष्ट्रपति देंगे रात्रिभोज मनीला में प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम में फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर की ओर से आयोजित रात्रिभोज भी शामिल है। इसके बाद अगले दिन आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन होंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री अन्य देशों के नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे। विदेश मंत्रालय में सचिव (पूर्व) रुद्रेंद्र टंडन ने विशेष मीडिया ब्रीफिंग में बताया था कि आसियान भारत के प्रमुख व्यापारिक साझेदारों में शामिल है।



बिलकिस बानो केस में दो दोषियों को SC से मिली जमानत, 2002 से अब तक क्या-क्या हुआ?

बिलकिस बानो गैंगरेप और हत्या मामले में सुप्रीम कोर्ट ने दो दोषियों को जमानत दी है। दोनों 17 साल से ज्यादा जेल में बिता चुके हैं। जानें कोर्ट ने क्या कहा। सुप्रीम कोर्ट ने बिपिनचंद जोशी और प्रदीप मोधिया की उम्रकैद की सजा निलंबित कर जमानत दी। दोनों दोषी 17 साल से ज्यादा समय जेल में बिता चुके हैं। दोनों उन 11 दोषियों में शामिल हैं, जिनकी समयपूर्व रिहाई का आदेश सुप्रीम कोर्ट ने जनवरी 2024 में रद्द किया था। 2002 के गुजरात दंगों के दौरान बिलकिस बानो के साथ हुए गैंगरेप और उनके परिवार के सात सदस्यों की हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे दो दोषियों को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है। अदालत ने बिपिनचंद कनैयालाल जोशी और प्रदीप रामलाल मोधिया की उम्रकैद की सजा निलंबित करते हुए उन्हें जमानत दे दी है। दोनों आरोपी 17 वर्षों से अधिक समय से



जेल में हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उनकी अपील में तथ्य और कानून से जुड़े ऐसे पहलू हैं, जिन पर ध्यान देने की आवश्यकता है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की पीठ ने 28 अक्टूबर को यह निर्णय दिया था। जमानत की शर्तें संबंधित ट्रायल कोर्ट द्वारा निर्धारित की जाएंगी। बॉम्बे हाईकोर्ट ने बरकरार रखी थी सजा बिपिनचंद जोशी और प्रदीप मोधिया ने मई 2017 में बॉम्बे हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें उनकी दोषसिद्धि और उम्रकैद की सजा बरकरार रखी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने जमानत देते समय इस बात का भी ध्यान रखा कि अपीलकर्ताओं में से एक, बिपिनचंद जोशी, गंभीर रूप से दिव्यांग हैं। अदालत ने कहा कि दोनों की अपील में ऐसे तथ्य और कानूनी मुद्दे हैं, जिन पर अभी सुनवाई होनी बाकी है। किस दलील पर कोर्ट ने दी जमानत? दोनों दोषियों की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने दलील दी कि दोनों 17 साल से अधिक समय जेल में बिता चुके हैं। उन्होंने कहा कि अपीलकर्ताओं में से एक का नाम शुरुआती एफआईआर में शामिल नहीं था और घटना के करीब तीन साल बाद उसे आरोपी बनाया गया था। उन्होंने दूसरे दोषी की गंभीर दिव्यांगता का भी हवाला दिया। सुप्रीम कोर्ट ने इन तर्कों और अपील में उठाए गए मुद्दों को ध्यान में रखते हुए दोनों की सजा को स्थगित कर जमानत देने का निर्देश दिया। लेकिन, उनकी दोषसिद्धि के खिलाफ अपील पर सुनवाई जारी रहेगी। बिलकिस बानो केस की टाइमलाइन यह घटना 3 मार्च 2002 को गुजरात दंगों के समय दाहोद जिले के रंधिकपुर गांव में बिलकिस बानो के साथ हुए सामूहिक बलात्कार और उनके परिवार के सात सदस्यों की हत्या से संबंधित है।

अडानी ग्रुप के इन 6 शेयरों से भविष्य में होगा बंपर मुनाफा, जेफरीज ने हाई एसेट बताते हुए दिया 'ग्रीन सिग्नल'



अगर आप जेफरीज द्वारा बताए गए इन अडानी ग्रुप के शेयरों पर पैसा लगाते हैं तो भविष्य में आपको फायदा मिलने की उम्मीद जताई गई है। अदाणी ग्रुप की 6 कंपनियों पर बुलिश जेफरीज निवेश बैंक ने 6 शेयरों पर फिर 'बाय' रेटिंग बरकरार रखी अदाणी पोर्ट्स 27% हिस्सेदारी के साथ बना सबसे बड़ा निजी पोर्ट ऑपरेटर वैश्विक निवेश बैंक जेफरीज अदानी ग्रुप पर बुलिश बना हुआ है और उन्होंने अपनी कवरेज की ग्रुप की 6 कंपनियों पर बाय रेटिंग को दोहराया है। इसकी वजह मजबूत आय, बड़ी निवेश पाइपलाइन, इन्फ्रास्ट्रक्चर बिजनेस में अनुमानित नकदी प्रवाह होना है। जेफरीज की एक रिपोर्ट के अनुसार, क्षमता विस्तार, बाजार हिस्सेदारी में वृद्धि और नई परियोजनाओं के शुरू होने से वित्त वर्ष 2026 से वित्त वर्ष 2029 के बीच समूह के संयुक्त EBITDA और प्रति शेयर आय (EPS) के 23 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (CAGR) से बढ़ने की उम्मीद है।

खरगे आवास पहुंचे राहुल-प्रियंका समेत कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, यूपी चुनाव को लेकर बड़ी बैठक



यूपी चुनाव को लेकर कांग्रेस की तैयारी तेज हो गई है। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे की बैठक में यूपी की चुनावी रणनीति और सीट बंटवारे पर चर्चा की संभावना है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर यूपी विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों को लेकर अहम बैठक हुई। बैठक में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाद्रा, यूपी कांग्रेस प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम और प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा शामिल हुए। बैठक में उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की चुनावी रणनीति, और सीट बंटवारे की संभावनाओं पर चर्चा। दिल्ली में लोकसभा प्रतिपक्ष नेता राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा, उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम और यूपी कांग्रेस अध्यक्ष आराधना मिश्रा 'मोना' 2027 उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव पर केंद्रित बैठक के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर पहुंचे।

महिलाओं को भाभी मत बोलो, दोस्तों को चाय की टपरी पर ले जाओ, बंगाल में BJP नेता के बयान से छिड़ा सियासी संग्राम

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में BJP नेता विष्णुचरण सिकदार ने महिलाओं को भाभी न कहने और दोस्तों को घर न बुलाने की सलाह दी। बयान पर सियासी विवाद छिड़ गया। भाजपा नेता विष्णुचरण सिकदार ने कहा महिलाओं को 'भाभी' कहकर न बुलाएं। भाजपा नेता ने कहा कि युवा अपने दोस्तों को घर न बुलाएं। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने भाजपा नेता विष्णुचरण सिकदर के बयान की कड़ी निंदा की। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में भारतीय जनता पार्टी के नेता का चौकाने वाला बयान सामने आया है। नेता का कहना है कि रिश्तेदारों को छोड़कर अन्य महिलाओं को भाभी नहीं कहना चाहिए। भाजपा नेता के इस बयान से बंगाल की सियासत गरमा गई है। मुर्शिदाबाद जिले में भाजपा नेता विष्णुचरण सिकदार ने महिलाओं को भाभी कहने की परंपरा को बंद करने



की अपील की है। विष्णुचरण सिकदार का कहना है कि महिलाओं को भाभी कहने से गलत रिश्ते और गंदगी पैदा होती है। महिलाओं को भाभी कहकर न बुलाए - विष्णुचरण सिकदार पश्चिम बंगाल में भाजपा नेता विष्णुचरण सिकदार ने युवाओं को भी बड़ी सलाह दी। उन्होंने कहा कि वे अपने दोस्तों को घर न बुलाएं। सिकदर ने सुझाव दिया कि 'भाभी' शब्द का इस्तेमाल करने के बजाय, पुरुषों को महिलाओं को 'दीदी' या 'बहन' कहकर बुलाना चाहिए, क्योंकि इससे समाज में एक सकारात्मक संदेश जाएगा। विष्णुचरण सिकदर जिले के हरिहरपारा पुलिस थाना क्षेत्र के एक गांव में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बयान दिया। उन्होंने कहा कि परिवार की महिला रिश्तेदारों को छोड़कर, बाकी महिलाओं को 'दीदी' या 'बहन' कहकर संबोधित किया जाना चाहिए। महिलाओं को करनी चाहिए पहल उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि महिलाओं को खुद पहल करनी चाहिए और पुरुषों से कहना चाहिए कि वे उन्हें 'भाभी' के बजाय 'बहन' या 'दीदी' कहकर बुलाएं। सिकदर ने उदाहरण देते हुए कहा कि किसी महिला को 'भाभी' कहने के बजाय, उसे उसके नाम से या 'दीदी' कहकर बुलाना चाहिए। भाजपा नेता विष्णुचरण सिकदर के इस बयान से सियासी माहौल गरमा गया। उनके इस बयान से खुद भाजपा ने किनारा कर लिया। कांग्रेस ने भाजपा नेता विष्णुचरण सिकदर के इस बयान की कड़ी निंदा की। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने इस टिप्पणी की निंदा करते हुए कहा कि 'भाभी' शब्द का इस्तेमाल करने की परंपरा हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों में है।

प्रिंस विलियम और केट मिडल्टन ने की मुंबई मेट्रो की सवारी, विधान भवन से BKC तक किया सफर

प्रिंस विलियम और प्रिंसेस केट ने मुंबई दौरे पर एक्वा लाइन मेट्रो में सफर किया। इससे पहले सचिन तेंदुलकर के साथ गल्ली क्रिकेट खेला। जानिए भारत दौरे की खास बातें। शाही जोड़े और मुंबई के बीच दस साल पुराना खास जुड़ाव ताजा हुआ। सचिन तेंदुलकर के साथ क्रिकेट खेलकर पुरानी यादों को फिर से दोहराया गया। यह ऐतिहासिक पल दोनों देशों के बीच मजबूत सांस्कृतिक और खेल संबंधों का प्रतीक है। ब्रिटेन के प्रिंस विलियम और उनकी पत्नी प्रिंसेस ऑफ वेल्स कैथरीन अपने तीन दिवसीय भारत दौरे के दौरान मुंबई पहुंचे हैं। इस खास दौरे पर शाही जोड़े ने मुंबई की पहली भूमिगत मेट्रो एक्वा लाइन में आम सफर करके शहरवासियों को खासा आकर्षित किया। उन्होंने दक्षिण मुंबई स्थित विधान भवन मेट्रो स्टेशन से ट्रेन में प्रवेश किया और बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स तक का सुगम और आधुनिक भूमिगत मेट्रो सफर तय किया। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में प्रिंस विलियम और प्रिंसेस केट ट्रेन के भीतर अधिकारियों और यात्रियों से बेहद सहज अंदाज में बातचीत करते नजर आए। पर्यावरण-अनुकूल परिवहन का संदेश शाही परिवार की इस मेट्रो यात्रा का मुख्य उद्देश्य भारत



और ब्रिटेन के बीच आर्थिक विकास और ग्रीन सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना था। मुंबई शहर के नीचे बनी इस अत्याधुनिक मेट्रो लाइन में सफर करके शाही जोड़े ने भारत के आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर और टिकाऊ शहरी परिवहन की सराहना की। मेट्रो प्रशासन ने भी इस यात्रा को एक्वा लाइन के लिए एक ऐतिहासिक और गौरवशाली क्षण करार दिया। प्रिं सचिन तेंदुलकर के साथ गल्ली क्रिकेट मेट्रो सफर से पहले, प्रिंस विलियम और प्रिंसेस केट ने दक्षिण मुंबई के बलार्ड एस्टेट में भारतीय क्रिकेट के सर्वकालिक महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर और स्कूली बच्चों के साथ गल्ली क्रिकेट का लुत्फ उठाया। इस दोस्ताना मुकाबले में प्रिंस विलियम ने गेंदबाजी की, जबकि प्रिंसेस केट और सचिन तेंदुलकर ने बल्ला थामकर कुछ खूबसूरत शॉट्स लगाए। क्रिकेट खेलने के बाद शाही जोड़े ने पारंपरिक ढोल-ताशा के संगीत के बीच मिट्टी के कुल्हड़ में गरमा-गरम चाय की चुस्कियां भी लीं। स विलियम के भारत दौरे का मुख्य उद्देश्य शाही जोड़े के इस 3-दिवसीय भारत दौरे का मुख्य केंद्र अर्थशॉट प्राइज़ 2026 समारोह है।

प्रिंस विलियम द्वारा साल 2020 में शुरू किए गए इस वैश्विक पर्यावरण पुरस्कार का 6वां वार्षिक समारोह मंगलवार (17 नवंबर) को मुंबई में आयोजित हो रहा है, जिसमें जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संरक्षण के 5 विजेताओं में से प्रत्येक को 1 मिलियन पाउंड की पुरस्कार राशि दी जाएगी। मुंबई के कार्यक्रमों के बाद, शाही जोड़ा बुधवार को नई दिल्ली जाएगा, जहां वे भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार मुलाकात करेंगे।

कुलगाम में सुरक्षाबलों का बड़ा एक्शन, लश्कर आतंकी लतीफ भट समेत दो आतंकी ढेर

गाम में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता हाथ लगी है। 15 लाख के ईनामी लश्कर के आतंकी लतीफ भट और उसके एक साथी को मार दिया गया है। इलाके में सर्च अभियान जारी है। कुलगाम में सुरक्षाबलों का बड़ा एक्शन जम्मू-कश्मीर के कुलगाम 15 लाख का इनामी लतीफ भट और उसका एक साथी ढेर 11 नवंबर को CRPF पर हुए हमले के बाद से ही सुरक्षाबलों का सर्च ऑपरेशन हो गया था, तेज जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी मोहम्मद लतीफ भट और उसके एक साथी के मारे जाने की सूचना मिली है। 11 नवंबर को दक्षिण कश्मीर के अखरन इलाके में आतंकियों ने CRPF की नाका पार्टी पर हमला किया था। इस हमले में तीन जवान घायल हुए थे, जिनमें एक की हालत गंभीर



बताई गई थी। इस घटना के बाद से ही सुरक्षाबलों ने सर्च अभियान तेज कर दिया था। असल में 11 नवंबर को CRPF के एक नाके पर तैनात केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों पर अज्ञात मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने अचानक फायरिंग कर दी। इस हमले में सीआरपीएफ के तीन जवान घायल हो गए थे, साथ ही दो एसपीजी जवानों के हत्या हो गई थी और हत्या में नैम लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी मोहम्मद लतीफ भट और उसके दो साथियों का आया था। 15 लाख का ईनामी था, मोहम्मद लतीफ भट मोहम्मद लतीफ भट दक्षिण कश्मीर में सक्रिय लश्कर-ए-तैयबा का आतंकी था। वह सुरक्षा एजेंसियों की मोस्ट वांटेड सूची में शामिल था। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी में मदद करने वाली जानकारी देने पर 15 लाख रुपये के नकद इनाम की घोषणा की थी। CRPF की नाका पार्टी पर हमले में भी उसकी भूमिका संदिग्ध बताई गई थी। आतंकियों ने किन खतरनाक गोलियों का इस्तेमाल किया? मिली जानकारी के अनुसार, कुलगाम में CRPF जवानों पर हुए आतंकी हमले में, आतंकवादियों ने खास तरह की मेटल-जैकेट वाली, आर्मर-पियर्सिंग (AP) गोलियों का इस्तेमाल किया। ये ऐसी गोलियां हैं जो बुलेटप्रूफ जैकेट को भी भेद सकती हैं। सूत्रों के मुताबिक, इनमें से कुछ गोलियां एक CRPF जवान की बुलेटप्रूफ जैकेट को भेद गईं थीं, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल जवान का फिलहाल श्रीनगर में सेना के 92 बेस अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। सुरक्षाबलों का सर्च ऑपरेशन जारी जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में आतंकियों के खिलाफ सुरक्षाबलों का सर्च अभियान जारी है।

21 साल का यश सिंह कैसे बना पाक आतंकी शहजाद भट्टी का मोहरा? बॉलीवुड एक्टर्स से यहूदी ठिकानों की जासूसी तक



महाराष्ट्र एटीएस ने मुंबई में यहूदी ठिकानों और चबाड हाउस की रेकी करने के आरोप में यश सिंह को दबोचा है। जांच में लॉरेंस बिश्नोई गैंग और पाक आतंकी शहजाद भट्टी से कनेक्शन सामने आया है। महाराष्ट्र एटीएस ने नवी मुंबई से यश सिंह को गिरफ्तार किया मुंबई के चबाड हाउस और यहूदी प्रार्थना स्थलों की रेकी करने का आरोप है केरल से गिरफ्तार गुरुमूर्ति के जरिए लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़ा यश सिंह पाकिस्तान में बैठे आतंकी शहजाद भट्टी के नेटवर्क से जुड़ा यश सिंह देश की आर्थिक राजधानी मुंबई एक बार फिर आतंकी और गैंगस्टर नेटवर्क के निशाने पर थी। महाराष्ट्र आतंकवाद विरोधी दस्ते (ATS) ने नवी मुंबई से 21 वर्षीय यश सिंह नामक एक युवक को गिरफ्तार किया है। यश ने मुंबई में स्थित इजरायली ठिकानों की रेकी की थी, जिसमें 26/11 के आतंकी हमले में निशाना बनाए गए चवाड हाउस भी शामिल है। यश ने इजरायली नागरिकों के प्रार्थना स्थलों की भी जानकारी जुटाई थी।

वंदे भारत के लोको पायलट ने 2 बार मदद मांगी, लेकिन बिना ब्रेक के 463 किमी पटरी पर दौड़ती रही Vande Bharat



जब बात वंदे भारत की हो तो हाई सेक्योरिटी को लेकर पुख्ता इंतजाम मिलने जैसे वादे किए जाते हैं। ये मामला सुनकर आप भी हैरान हो जाएंगे। खाली वंदे भारत ट्रेन झारखंड के हटिया रेलवे स्टेशन से रवाना हुई 24 अक्टूबर को ट्रेन झांसी के लिए हुई थी रवाना रांची और मुरी स्टेशन पर लोको पायलट ने की थी शिकायत लेकिन शिकायत के बावजूद नहीं दिया गया ध्यान ये घटना 24 अक्टूबर की है जब खाली वंदे भारत ट्रेन झारखंट के हटिया रेलवे स्टेशन से रवाना हुई। लेकिन जैसे ही वो रांची रेलवे स्टेशन पहुंची, पायलट को ब्रेक में कुछ गड़बड़ी दिखाई दी। जिसके बाद उसने इसकी सूचना तुरंत रांची स्टेशन पर मौजूद रेलवे कर्मचारियों को दी। लेकिन उन्होंने ट्रेन को रोकने के बजाय आगे जाने दिया। इसके बाद मुरी स्टेशन पर भी ये प्रोब्लम बढ़ती गई।

लाल किला ब्लास्ट मामले में सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा में दर्ज मामले दिल्ली ट्रांसफर

2025 में हुए लाल किला ब्लास्ट मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला लिया है। अब जम्मू-कश्मीर और हरियाणा में दर्ज मामले दिल्ली ट्रांसफर कर दिए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए कार बम विस्फोट मामले में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण यानी NIA की मांग को स्वीकार कर लिया। अदालत ने याचिका पर सुनवाई करते हुए जम्मू-कश्मीर और हरियाणा में दर्ज दो मामलों को दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट स्थित विशेष एनआईए अदालत में ट्रांसफर करने का आदेश दिया है। लाल किला ब्लास्ट मामले में सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस श्री चंद्रशेखर की बेंच ने सोमवार को एनआईए एक ट्रांसफर याचिका



को मंजूरी दी। इसके तहत जम्मू-कश्मीर और हरियाणा से दो मामलों को स्थानांतरित किया जाएगा। माना जा रहा है कि ये मामले पिछले साल लाल किला मेट्रो स्टेशन पर हुए बम विस्फोट के पीछे की एक बड़ी साजिश यानी 'डॉक्टर मॉड्यूल' से जुड़े हैं। सुप्रीम कोर्ट ने तीन एफआईआर को भी एक साथ जोड़कर सुनवाई करने की अनुमति दी है। एनआईए ने दलील दी थी कि तीनों FIR लाल किला ब्लास्ट के पीछे कथित बड़े 'डॉक्टर मॉड्यूल' और साजिश से जुड़ी हैं। एजेंसी के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा और दिल्ली में फैले कथित 'व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल' की साजिश की जांच में ये मामले आपस में जुड़े हैं। 2025 में लाल किला के पास हुए ब्लास्ट से जुड़ा है मामला बता दें कि 10 नवंबर 2025 को लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर 3 के पास एक कार में धमाका हुआ था, जिसमें 13 लोगों ने जान गंवाई। जांच में पता चला कि कार को फरीदाबाद स्थित अल-फलाह यूनिवर्सिटी का डॉ. उमर नबी चला रहा था। धमाके में उमर नबी की भी मौत हुई थी। एनआईए ने आरोप लगाया कि इन धमाके के पीछे डॉक्टरों सहित पढ़े-लिखे पेशेवरों का एक ''व्हाइट-कॉलर' नेटवर्क है। एनआईए ने सितंबर में कुल 12 आरोपियों के खिलाफ 75,000 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की थी। जांच एजेंसी के मुताबिक, इस धमाके का मुख्य साजिशकर्ता उमर उन नबी था, जो खुद आत्मघाती हमलावर था और धमाके में मारा गया था। उसका नाम भी चार्जशीट में शामिल है।

सम्पादकीय

महायुति को मिलकर काम करने की जरूरत है!

अगर आने वाले समय में कांग्रेस को मजबूती देनी है तो भाजपा, शिंदे और सुनेत्रा पवार के नेतृत्व वाले महागठबंधन को एकजुट होकर काम करना होगा। फिलहाल स्थिति ऐसी नहीं है। राज्य में फिलहाल महागठबंधन की सरकार है। लेकिन पिछले कुछ महीनों में आंतरिक कलह तेज हो गई है। देवेंद्र फडणवीस को चुनौती मिल रही है और सहयोगी दल महाराष्ट्र में भाजपा का समर्थन कर रहे हैं जबकि केंद्र में चुप्पी साधे हुए हैं। शिवसेना की दशहरा रैली और उसके बाद से चल रही बहसें और भी तीखी हो गई हैं। गौरतलब है कि शिवसेना के नेताओं रामदास कदम, गुलाबराव पाटिल, धागेकर आदि ने भाजपा के खिलाफ गठबंधन बना लिया है। चूंकि कदम न केवल भाजपा विरोधी हैं बल्कि उन्होंने सहयोगी दल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को भी चुनौती दी है, इसलिए शिवसेना शिंदे गुट के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को इन गुटों पर दबाव डालना चाहिए, अन्यथा यह सरकार, यह महागठबंधन ज्यादा समय तक टिकता हुआ नहीं दिख रहा है। शिवसेना की दशहरा रैली उद्धव नेता उद्धव ठाकरे को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। लेकिन यहाँ चर्चा शिंदे की मुख्यमंत्री पद को लेकर हुई। सार्वजनिक तौर पर यह बहस छिड़ी कि देवेंद्र फडणवीस को इस्तीफा देकर एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री बनाना चाहिए। रामदास कदम ने दशहरा रैली में सहयोगी दल भाजपा पर भी हमला किया। दरअसल, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में उन्हें इस पर प्रतिक्रिया देनी चाहिए थी, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। इसलिए, इस बात पर चर्चा हुई कि क्या शिंदे ने ही कदम और गुलाबराव पाटिल को आमंत्रित किया था। अब, रामदास कदम ने लगभग सहयोगी दल के नेता सुनील तटकरे पर अजीतदादा की मौत का आरोप लगा दिया है। कदम ने सार्वजनिक रूप से तटकरे की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने उपमुख्यमंत्री बनने की लालसा में यह दुर्घटना करवाई। दरअसल, कदम का बेटा राज्य मंत्रिमंडल में मंत्री है। वह गृह और राजस्व राज्य मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पदों पर हैं। चिरंजीव प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के प्रमुख हैं, फिर भी रामदास कदम विपक्ष के नेता की तरह बात कर रहे हैं। यह महज एक मामूली बात नहीं है, बल्कि भाजपा और शिवसेना, एनसीपी और शिवसेना के बीच एक स्पष्ट विभाजन है। विधानसभा चुनावों में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के उम्मीदवारों को हराया। महायुति के सभी पांच उम्मीदवारों का चुनाव जीतना महत्वपूर्ण था, लेकिन उनमें से केवल दो ही चुने गए। इनमें से एक भाजपा से और एक शिवसेना से थे। खास बात यह है कि शिवसेना के पूर्व मंत्री अब्दुल सत्तार ने कांग्रेस के लिए खुलकर प्रचार किया और उनके उम्मीदवार को चुनाव जितवाया। इस समग्र परिदृश्य को देखते हुए, यह चर्चा चल रही है कि महायुति वास्तविक नहीं है। महाराष्ट्र में अब तक हुए विधान परिषद चुनावों के बाद नगर परिषद, नगर निगम और कुछ जिला परिषद चुनाव चुनावी मैदान बन गए हैं। महायुति पार्टी ने इनमें सफलता हासिल की। लेकिन विधान परिषद चुनावों में ऐसा माहौल नहीं दिखा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद अफसोस जताया कि नागपुर भाजपा का गढ़ है और वहां उनके उम्मीदवार की हार होनी चाहिए। हालांकि, भाजपा ने अमरावती में शिवसेना की सीट जीत ली। शिवसेना नेता धंगेकर ने महायुति पार्टी के उम्मीदवार के खिलाफ खुलकर प्रचार किया। ऐसे में यह सरकार कैसे टिक पाएगी? एकनाथ शिंदे खुद भी कभी-कभी गुस्से के कारण मंत्रिमंडल की बैठकों और सार्वजनिक कार्यक्रमों से अनुपस्थित रहते हैं। उनका सबसे करीबी रास्ता महाबलेश्वर के पास स्थित दारे गांव है, जहां राज्य के उपमुख्यमंत्री तीन-चार दिन रुकते हैं। वहां वे किसी से भी संपर्क नहीं रखते। यही स्थिति इस गठबंधन सरकार में भी है। पहले जब देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री पद की शपथ ले रहे थे, तब शिंदे नाराज थे। अब नए खेल शुरू हो गए हैं। दोनों राष्ट्रवादियों के विलय के संकेत मिल रहे हैं। दूसरी ओर, दोनों शिवसेनाओं के एक साथ आने की भी चर्चा है। देवेंद्र फडणवीस और उद्धव ठाकरे उन्हें उकसाने के लिए एक ही मंच पर आए। इस दौरान हुई उठापटक ने पूरे महाराष्ट्र में खूब चर्चा बटोरी है। राज्य में इस समय सूखे की स्थिति है। वहां भी शाहकट शाह की राजनीति चल रही है। वहां एकनाथ शिंदे समूह का दबदबा दिखाने की कोशिश की जा रही है। मंत्रिमंडल के अधिकांश मंत्री किसानों के पक्ष में हैं। कुछ जगहों पर मंत्रियों को किसानों के साथ भोजन करते देखा गया है। एकनाथ शिंदे पिछले ढाई साल से मुख्यमंत्री थे। उनके कार्यकाल में विधानसभा चुनाव हुए। भाजपा को 137 सीटें और शिवसेना को 63 सीटें मिलीं। इसके बावजूद कुछ तनाव बना रहा। जब देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री पद की शपथ ले रहे थे, तब एकनाथ शिंदे अपने गृह नगर के लिए रवाना हो गए थे। वे आखिरी समय पर लौटे। इससे पहले, जब शिंदे मुख्यमंत्री थे, तब देवेंद्र फडणवीस ने कोई हंगामा नहीं किया था। लेकिन अब, गठबंधन के कुछ सहयोगी दल खुलेआम गठबंधन के उम्मीदवार को हराने की साजिश रच रहे हैं। एकनाथ खडसे भाजपा के एक शक्तिशाली नेता थे। जब महाराष्ट्र में गठबंधन सरकार नहीं थी, तब उन्होंने जलगांव और खानदेश को भाजपा के लिए बरकरार रखा। जलगांव की दोनों लोकसभा सीटें, जिला परिषद, जलगांव नगर निगम और सभी महत्वपूर्ण पद भाजपा के पास रहे। लेकिन जैसे ही दल-विरोधी राजनीति शुरू हुई, वे हाशिए पर चले गए। आज भी खानदेश में खडसे का दबदबा कायम है। हालांकि, शिवसेना की स्थिति ऐसी नहीं है। उस समय जलगांव में खडसे बनाम गुलाबराव पाटिल की राजनीति चल रही थी। अब भाजपा के गिरीश महाजन और शिवसेना नेता के बीच मुकाबला है। खानदेश, नासिक, धुले, जलगांव और नंदुरबार जिले विभाजित हैं।

सुनिश्चित हो जलवायु न्याय

तुर्किए के शहर अंताल्या में 31वां विश्व जलवायु सम्मेलन ऐसे समय हो रहा है, जब वायुमंडल का तापमान पेरिस जलवायु संधि में नियत की गई 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा को पार कर चुका है। विज्ञानियों का कहना है कि यह साल गर्मी के सारे रिकार्ड तोड़ने जा रहा है। प्रशांत महासागर का तापमान बढ़ने से पैदा होने वाले अल नीनो प्रभाव की वजह से अगले साल भी ग्रीष्म लहर की प्रबल आशंका है, जिससे भारत का मानसून प्रभावित हो सकता है। इसलिए सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने कहा कि हमारी धरती गरम हो रही है। हालांकि तापमान के 1.5 डिग्री सेल्सियस पार कर जाने का मतलब हाथ पर हाथ रखकर बैठना नहीं है। विज्ञान हमें समर्पण के लिए नहीं, बल्कि मुस्तैदी से लड़ने को कह रहा है। इस साल के सम्मेलन में भारत का लक्ष्य विकासोन्मुख देशों की सामूहिक शक्ति को मजबूत बनाना है, ताकि जलवायु न्याय के लिए विकसित देशों पर वित्तीय सहायता के वादों को पूरा करने का दबाव बनाया जा सके। विकासोन्मुख देशों का कहना है कि उन्हें अपनी अर्थव्यवस्थाओं के हरितीकरण और बुनियादी ढांचे को जलवायु परिवर्तन के प्रभाव झेलने में सक्षम बनाने के लिए प्रतिवर्ष लगभग 1300 अरब डालर की वित्तीय सहायता चाहिए। जबकि भरसक प्रयासों के बावजूद 2035 तक केवल 300 अरब डालर जुटाने के लक्ष्य पर ही सहमति बन पाई थी, जिसमें अधिकांश योगदान धनी विकसित देशों को करना था। हकीकत यह है कि अभी तक कुल मिलाकर लगभग 30 अरब डालर की सहायता ही जुट पाती है। वादों और उनकी पूर्ति के बीच की इस खाई को पाटने के लिए इस साल के जलवायु सम्मेलन में गुटेरस ने जलवायु न्याय के समझौते का प्रस्ताव रखा है, जिसके चार आधारबिंदु हैं। जीवाश्म ईंधनों को त्यागने की गति बढ़ाना, जलवायु परिवर्तन की चपेट में आए लोगों की सुरक्षा, जलवायु अनुदान देना और किफायती दरों पर वित्त उपलब्ध कराना और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करना। गुटेरस ने कहा कि हम साधन दिए बिना विकासोन्मुख देशों से अर्थव्यवस्थाओं के हरित कायाकल्प की अपेक्षा नहीं कर सकते। उन्होंने जलवायु परिवर्तन से हो रही क्षति की पूर्ति के लिए ईंधन कंपनियों से वसूली का आग्रह भी किया। इन कंपनियों ने पिछली तिमाही में 95 अरब डालर का लाभ कमाया और जलवायु क्षतिपूर्ति के नाम पर केवल 60 करोड़ डालर देकर पल्ला झाड़ लिया। उन्हें इस दिशा में और अंशदान देने की आवश्यकता है। सम्मेलन में मीथेन गैस का उत्सर्जन कम करने पर भी जोर दिया जा रहा है। यह गैस कार्बन डाईआक्साइड की तुलना में 80 गुना ताप को जमा कर सकती है और तापमान में आज तक हुई वृद्धि के एक तिहाई से अधिक के लिए जिम्मेदार है। मीथेन का मुख्य स्रोत मांस और दूध के लिए पाले जाने वाले मवेशी, तेल और गैस के कुएं, कोयला खदानें, सड़ता हुआ कचरा और खेतों में जलाई जाने वाली पराली है। पशुपालन और जीवाश्म ईंधन उद्योग तीन चौथाई मीथेन उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार हैं। इसलिए संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम जीवाश्म ईंधन उद्योग के लिए मीथेन के शून्य उत्सर्जन का मानदंड बना रहा है और लोगों को मांसाहार से शाकाहार की तरफ मोड़ने के लिए भी जागरूकता फैलाई जा रही है। वैसे इस वर्ष के सम्मेलन में परिचर्चा का केंद्रीय विषय जल और महासागरों की ताप सहनशीलता है जो भारत में जल प्रदूषण के संकट से सीधे तौर पर जुड़ा है। जल प्रदूषण के मामले में भारत 122 देशों की सूची में 120वें पायदान पर है। इसका सबसे प्रमुख स्रोत घरों और कारखानों का प्रदूषित जल है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार भारत की 271 नदियों के शहरों और औद्योगिक केंद्रों से गुजरने वाले 296 प्रवाह बुरी तरह प्रदूषित हो चुके हैं। यह हालत तब है जबकि भारत में नदियां पूजा-अर्चना का केंद्र रही हैं। विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक स्नान मेला नदियों के किनारे लगता है। आजकल सूर्योपासना का छठ महापर्व चल रहा है, जिसमें स्नान-ध्यान और पूजा-अर्चना पानी में खड़े होकर की जाती है। इसलिए हर छठ महापर्व या कुंभ मेले या किसी अन्य आयोजन के अवसर पर नदियों का प्रदूषण कम करने के बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं। बांध-बैराजों से अतिरिक्त पानी छोड़कर प्रदूषण कम करने की कोशिश की जाती है, लेकिन हजारों करोड़ खर्च करने के बाद भी प्रदूषण जस का तस बना हुआ है। यमुना के दिल्ली से होकर गुजरने वाले 22 किलोमीटर लंबे प्रवाह को भारत का सबसे प्रदूषित नदी प्रवाह माना जाता है। वजीराबाद बैराज पर यमुना का लगभग सारा पानी निकाल लिया जाता है और उसकी जगह नजफगढ़ और शाहदरा जैसे 22 नालों का करोड़ों गैलन गंदा पानी गिरता है। सफाई के लिए सरकार नए शोधन प्लांट लगा तो रही है, लेकिन जब तक इनका पानी यमुना में गिरते समय साफ नहीं होगा और यमुना में कचरा फेंकने पर पूरी तरह रोक नहीं लगेगी तब तक यह स्नान के लिए सुरक्षित नहीं बन पाएगी। यह काम सरकारों की ईमानदारी के साथ-साथ लोगों की सहभागिता के बिना पूरा नहीं हो सकता। लंदन की टेम्स, जर्मनी की राइन और बीजिंग की योंगडिंग नदियों को इसी तरह साफ किया गया था।

माइक्रोसॉफ्ट मामले से सबक ले विश्व

हाल में माइक्रोसॉफ्ट की सेवाओं में तकनीकी खराबी यानी आउटेज ने भारत समेत दुनिया के 74 देशों में करोड़ों लोगों की मुश्किलें बढ़ा दीं। इस गड़बड़ी से माइक्रोसॉफ्ट 365, आउटलुक, टीम्स और कोपायलट जैसी लोकप्रिय सेवाएं ठप हो गईं। इसका असर आम यूजर तक सीमित नहीं रहा, बल्कि एयरलाइंस, अस्पतालों, बैंकों, सरकारी दफ्तरों और अदालतों का कामकाज भी प्रभावित हुआ। करीब 16 घंटे से अधिक समय तक सेवाओं में बाधा बनी रही। कुछ असहज करने वाली खबरें आने लगीं। जैसे-ब्रिटेन के कुछ अस्पतालों ने नियमित अपाइंटमेंट रद कर दिए और कागज पर लौट आए, क्योंकि उनके शेड्यूल आउटलुक में ही थे। डाक्टर प्रिस्क्रिप्शन के अनुरोध नहीं देख पा रहे थे। पुलिस बलों ने लोगों से अपराध की सूचना फोन पर देने को कहा, क्योंकि आनलाइन फार्म काम करना बंद कर चुके थे। जापान के एक मंत्रालय के अधिकारियों ने काम जारी रखने के लिए दस्तावेज प्रिंट किए। अमेरिका के कोलोराडो के एक शहर में जमानत के भुगतान अटक गए। हमारे यहां भी विमान कंपनियों ने यात्रियों को चेताया कि उनका ईमेल सपोर्ट प्रभावित है और एक टेलीकाम आपरेटर के काल सेंटरों पर काल की बाढ़ आ गई। कुछ ट्रेडर्स ने सौदों की पुष्टि फोन-फैक्स से की। माइक्रोसॉफ्ट ने कहा कि यह गड़बड़ी नेटवर्क क्षमता बढ़ाने के लिए किए गए एक अपग्रेड से आई। कंपनी ने यह भी स्पष्ट किया कि इसका हैकरों या एआइ से कोई लेना-देना नहीं था। यह बात भी चिंतित करने वाली है। दुश्मन सरकारें इतनी बड़ी व्यवस्थाओं को ठप करने की कोशिश में वर्षों लगाती हैं और भारी पैसा खर्च करती हैं, फिर भी ज्यादातर नाकाम रहती हैं। इस बार किसी को कोशिश ही नहीं करनी पड़ी। एक मामूली मेंटेनेंस के काम ने यह कर दिया। इसके अगले ही दिन नेटवर्क में आई खराबी ने अमेरिका में चार घंटे से अधिक समय तक हजारों उड़ानों को रोक दिया। इसमें भी कोई बाहरी हमलावर नहीं था। दो दिनों की ये विफलताएं एक ही दिशा में इशारा करती हैं। आजकल हमारी सबसे बड़ी व्यवस्थाओं को बाहरी हमले की तुलना में रोजमर्रा के कामकाज के दौरान अंदर से फेल होने की आशंका कहीं अधिक है। जब कुछ सर्वर बंद हुए, तो उनका ट्रैफिक बाकी सर्वरों पर लद गया और फिर वे भी ठप हो गए। माइक्रोसॉफ्ट ने माना कि उसने जिन सर्वरों को दोबारा चालू किया, उनमें से कुछ ट्रैफिक लौटते ही फिर से ठप हो गए। उसके शुरुआती सुधार काम नहीं आए। आखिरकार इंजीनियरों को सिस्टम धीरे-धीरे, लगभग एक-एक हिस्सा करके और हर कदम की जांच करते हुए ठीक करना पड़ा। कंपनी के बाहर के कुछ इंजीनियरों का मानना है कि कोड में कोई खामी वर्षों से दबी पड़ी थी और हाल के बदलाव ने उसे उजागर कर दिया। इसकी असली वजह जो भी हो, ऐसे सिस्टम को फिर से खड़ा करना लोगों पर निर्भर करता है। खास तौर पर उन लोगों पर, जो जानते हैं कि एक पुराना और व्यापक सिस्टम वास्तव में कैसे जुड़ा है। यह जानकारी न तो जल्दबाजी में भर्ती करके हासिल की जा सकती है, न ही एआइ से जेनरेट की जा सकती है। कंपनी में पुराने नेटवर्क को जानने वाले कम हो गए हैं। यह उन फैसलों का नतीजा है, जो कहीं ऊपर लिए गए। सत्या नडेला कह चुके हैं कि कंपनी के कुछ प्रोजेक्ट्स में एआइ पहले से ही कोड का अच्छा-खासा हिस्सा लिख रहा है। माइक्रोसॉफ्ट इस साल लगभग 175 अरब डालर खर्च करने की उम्मीद कर रहा है, जिसका ज्यादातर हिस्सा एआइ इन्फ्रास्ट्रक्चर पर जाएगा। इस साल की शुरुआत में उसने लगभग 9,000 अमेरिकी कर्मचारियों को बायआउट की पेशकश की, फिर जुलाई में 4,800 नौकरियां घटाईं और आउटेज से मुश्किल से दो हफ्ते पहले लगभग 60,000 लोगों यानी वहां काम करने वाले हर चार में से एक से भी अधिक कर्मचारी को स्वैच्छिक विदाई की पेशकश की। सवाल है कि क्या इसकी वजह से माइक्रोसॉफ्ट ग्राहक खोएगी? निश्चित रूप से नहीं। किसी बड़े संगठन को आउटलुक और टीम्स से हटाने में एक साल, बहुत सारी री-ट्रेनिंग और भारी-भरकम कंसल्टिंग बिल लगता है। कोई भी एक दिन की परेशानी के कारण यह सब मोल नहीं लेगा। माइक्रोसॉफ्ट यह जानती है।

सलमान खान ने 'मातृभूमि' के लिए नहीं लिया शॉर्टकट, गीले कपड़ों में बैठकर खाते थे खाना

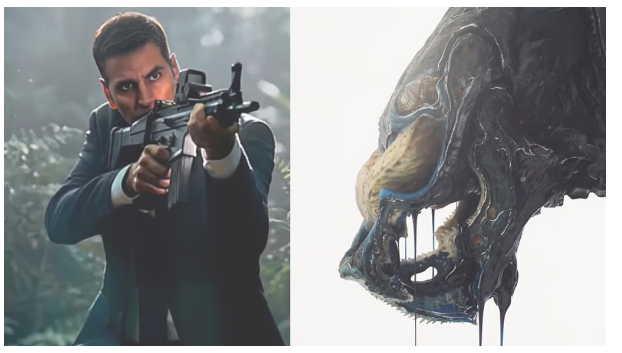


सलमान खान ने 'मातृभूमि' के एक सीक्वेंस के लिए शून्य डिग्री तापमान वाले बर्फीले पानी में छह घंटे तक शूटिंग की। अपूर्व लाखिया ने फिल्म की मेकिंग का यह किस्सा साझा किया। सलमान खान की फिल्म 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' की शूटिंग से जुड़ा दिलचस्प किस्सा सामने आया है। डायरेक्टर अपूर्व लाखिया ने बताया कि सलमान ने स्टूडियो के बजाय असली लोकेशन पर शूटिंग करने का फैसला किया। फिल्म के एक सीक्वेंस के लिए सलमान करीब शून्य डिग्री तापमान वाले पानी में उतरे। सलमान खान अपनी अपकमिंग फिल्म 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' को लेकर लगातार चर्चा में हैं। फिल्म का टीजर और पोस्टर सामने आने के बाद से ही दर्शकों के बीच इसे लेकर उत्सुकता बनी हुई है। अब फिल्म की शूटिंग से जुड़ा एक ऐसा किस्सा सामने आया है, जिसे सुनकर आप भी हैरान रह जाएंगे। फिल्म को पर्दे पर वास्तविक दिखाने के लिए सलमान खान ने आरामदायक स्टूडियो के बजाय असली लोकेशन पर शूटिंग करने का फैसला किया। इस दौरान उन्होंने करीब शून्य डिग्री तापमान वाले बर्फीले पानी में घंटों तक शूटिंग की। फिल्म के निर्देशक अपूर्व लाखिया ने हाल ही में इसकी मेकिंग से जुड़ी कई दिलचस्प बातें शेयर कीं। उन्होंने बताया कि फिल्म के एक मुश्किल सीक्वेंस को पहले मुंबई के स्टूडियो में शूट करने की योजना थी, लेकिन सलमान खान से बातचीत के बाद टीम ने असली लोकेशन पर शूटिंग करने का फैसला किया। शून्य डिग्री के पानी में छह घंटे तक की शूटिंग अपूर्व लाखिया के मुताबिक, इस सीक्वेंस की शूटिंग सितंबर के आखिर में की गई थी। उस दौरान पानी का तापमान लगभग शून्य डिग्री के आसपास था। सलमान खान और फिल्म के बाकी कलाकार रोजाना करीब छह घंटे तक उस जमा देने वाले पानी में रहते थे। इतना ही नहीं, वे गीले कपड़ों में ही शॉट्स के बीच अपना खाना भी खाते थे। ढाई दिन में पूरा हुआ मुश्किल सीक्वेंस निर्देशक ने बताया कि उन्हें लगा था कि यह सीक्वेंस एक दिन में पूरा हो जाएगा, लेकिन इसकी शूटिंग में ढाई दिन लग गए। उन्होंने कहा कि जब सलमान खान और बाकी कलाकार ठंड से कांप रहे थे, तब वह किसी तरह की एक्टिंग नहीं थी, बल्कि वे सच में उस कड़ाके की ठंड का सामना कर रहे थे। अपूर्व लाखिया ने यह भी बताया कि पूरी टीम उन्हें इतनी ठंड में शूटिंग करते देखकर खुद भी ठिठुर रही थी। इस मुश्किल शूटिंग के बावजूद कलाकारों ने अपने काम को जारी रखा, ताकि फिल्म के हर सीन में वास्तविकता नजर आए।

चित्रांगदा सिंह भी आएंगी नजर

'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' में सलमान खान एक सैनिक की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म में चित्रांगदा सिंह भी लीड रोल निभा रही हैं। अपूर्व लाखिया के निर्देशन में बनी इस फिल्म को सलमान खान फिल्म्स के बैनर तले प्रोड्यूस किया गया है।

अक्षय कुमार की 'समुक' में होगा एक्शन और सर्वाइवल का रोमांच, रिलीज डेट के साथ आया पहला मोशन पोस्टर



अक्षय कुमार की साइंस फिक्शन फिल्म 'समुक' का मोशन पोस्टर रिलीज हो गया है। मिलिट्री लुक में नजर आए अक्षय की यह फिल्म 28 मई 2027 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में दस्तक देगी। अक्षय कुमार की फिल्म 'समुक' का मोशन पोस्टर रिलीज हो गया है। इस फिल्म के जरिए अक्षय कुमार पहली बार साइंस फिक्शन जॉनर में नजर आएंगे। मोशन पोस्टर में अक्षय मिलिट्री लुक में हाथ में राइफल लिए दिखाई दिए। बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार एक बार फिर बड़े पर्दे पर धमाका करने के लिए तैयार हैं। इस बार वह एक बिल्कुल नए जॉनर में दर्शकों के सामने आने वाले हैं। अक्षय कुमार अपकमिंग फिल्म 'समुक' के जरिए पहली बार साइंस फिक्शन की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। फिल्म को लेकर मेकर्स ने बड़ा ऐलान कर दिया है। इसका मोशन पोस्टर जारी करने के साथ ही रिलीज डेट से भी पर्दा उठा दिया गया है।

मुश्किल वक्त में शरद कपूर के लिए मसीहा बने सोनू सूद, मिलने पहुंचे एक्टर और मेडिकल मदद का भी किया इंतजाम

एक्टर शरद कपूर की मदद की अपील के बाद एक्टर सोनू सूद उनके सपोर्ट में आगे आए हैं। सोनू सूद मुंबई में शरद कपूर से मिलने पहुंचे। दोनों के बीच काफी देर तक बातचीत हुई।

शरद कपूर की इमोशनल अपील के बाद सोनू सूद उनसे मिलने पहुंचे। सोनू सूद ने शरद कपूर की सेहत और पैर की चोट का हाल जाना। इलाज के लिए मेडिकल टीम और जरूरी सप्लाई का इंतजाम किया गया। शरद कपूर ने फिल्म, टीवी और ओटीटी में दोबारा काम करने की इच्छा जताई। 90 के दशक के फेमस एक्टर शरद कपूर मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। जब उनकी एक इमोशनल अपील ने पूरी फिल्म इंडस्ट्री का ध्यान अपनी ओर खींचा, तो संकट की इस घड़ी में एक्टर सोनू सूद उनके लिए उम्मीद की किरण बनकर सामने आए। बॉलीवुड में अपनी बेहतरीन एक्टिंग से खास पहचान बनाने वाले शरद कपूर ने हाल ही में सोशल मीडिया के जरिए से एक वीडियो शेयर किया था। इस वीडियो में उन्होंने स्वीकार किया था कि वह पिछले कुछ सालों से गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं, मानसिक तनाव और काम की कमी से जूझ रहे हैं। उन्होंने अपनी लाचारी बयां करते हुए



फिल्म इंडस्ट्री के साथियों से काम और मदद की गुहार लगाई थी। मुश्किल वक्त में उम्मीद की किरण बने सोनू सूद एक्टर सोनू सूद हमेशा से ही जरूरतमंदों के लिए मसीहा का किरदार निभाते आए हैं। जब उन्हें शरद कपूर की दयनीय स्थिति और उनके पैरों की गंभीर चोट के बारे में पता चला, तो वह खुद को रोक नहीं पाए। हाल ही में सोनू सूद ने पर्सनली शरद कपूर से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान दोनों एक्टर्स के बीच लंबी बातचीत हुई। सोनू ने न केवल शरद का हालचाल जाना, बल्कि उनकी सेहत को लेकर गहरी चिंता भी जताई। सोशल मीडिया पर सामने आई तस्वीरों में दोनों के बीच एक गहरी और भावनात्मक बातचीत साफ देखा जा सकता है। इलाज के लिए मेडिकल टीम का इंतजाम शरद कपूर पिछले कुछ समय से फिजीकली कमजोर हो चुके हैं। बार्सिलोना में फुटबॉल खेलने के दौरान उनके पैर में गंभीर चोट लग गई थी, जिसके चलते उन्हें चलने-फिरने के लिए वॉकिंग फ्रेम का सहारा लेना पड़ रहा है। उनकी समस्या को देखते हुए सोनू सूद ने फौरन डॉक्टरों की एक टीम और जरूरी मेडिकल सप्लाई का इंतजाम किया। शरद कपूर का बॉलीवुड का फिल्मी सफर शरद कपूर ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत 90 के दशक में की थी। उन्होंने 'दस्तक', 'लक्ष्य', 'एलओसी कारगिल' और 'जय हो' जैसी कई फेमस फिल्मों में अपनी एक्टिंग की छाप छोड़ी। स्पेशल रूप से शाहरुख खान और ऐश्वर्या राय बच्चन की अहम भूमिका वाली फिल्म 'जोश' में उनके द्वारा निभाया गया रोल आज भी दर्शकों के जेहन में ताजा है।

न्यूजीलैंड में जडेजा और पंत पर टिकी टीम इंडिया की उम्मीदें, जानें 2020 के दौरे पर कैसा था दोनों का रिकॉर्ड



न्यूजीलैंड दौरे पर भारतीय क्रिकेट टीम के केवल रवींद्र जडेजा और ऋषभ पंत के पास ही वहां टेस्ट खेलने का अनुभव है। आइए जानते हैं 2020 के पिछले दौरे पर इनका प्रदर्शन कैसा रहा था। पहली बार कीवी धरती पर टेस्ट मैच खेलेंगे टीम के अधिकांश खिलाड़ी न्यूजीलैंड की धरती पर भारतीय टीम का टेस्ट रिकॉर्ड सुधारने की होगी कोशिश पिछले प्रदर्शन को और बेहतर करना चाहेंगे पंत और जडेजा जैसे सीनियर खिलाड़ी इस टेस्ट सीरीज में होगी भारतीय क्रिकेट टीम की असली 'अग्निपरीक्षा' भारतीय क्रिकेट टीम 19 नवंबर 2026 से न्यूजीलैंड के खिलाफ दो मैचों की चुनौतीपूर्ण टेस्ट सीरीज खेलने जा रही है। इस दौरे की सबसे खास बात यह है कि मौजूदा भारतीय स्क्वाड में अनुभव की काफी कमी दिख रही है।

13 छक्के और 8 चौके, रजत पाटीदार ने ठोका तूफानी शतक, 48 गेंद में 135 रन बनाकर रचा इतिहास

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में मध्य प्रदेश के बल्लेबाज रजत पाटीदार ने असम के खिलाफ 48 गेंद में नाबाद 135 रन बनाकर इतिहास रच दिया। जानें इस तूफानी पारी के सभी बड़े रिकॉर्ड। रजत पाटीदार ने एमपी के लिए मात्र 41 गेंदों में शतक जड़कर आखिरी ओवरों में ताबड़तोड़ रन बटोरे। वह सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में एमपी की ओर से शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले राज्य का कोई भी बैटर इस टूर्नामेंट में तिहरे अंक (100 रन) तक नहीं पहुंच पाया था। सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी 2026 में मध्य प्रदेश के स्टार बल्लेबाज रजत पाटीदार ने असम के खिलाफ 48 गेंद में



नाबाद 135 रनों की ऐतिहासिक पारी खेली। इस विस्फोटक पारी के साथ ही वह इस टूर्नामेंट में मध्य प्रदेश के लिए शतक जड़ने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। चौके-छक्कों की बरसात से दहला मैदान इंदौर के इस धाकड़ बल्लेबाज ने मैदान पर उतरते ही असम के गेंदबाजों की जमकर क्लास लगाई। नंबर पांच पर बल्लेबाजी करने उतरे रजत पाटीदार ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने अपनी 48 गेंदों की पारी में कुल 13 गगनचुंबी छक्के और 8 शानदार चौके जड़े। इसका मतलब यह है कि पाटीदार ने अपने 135 रनों में से 110 रन सिर्फ बाउंड्री की मदद से बटोरे। उनके इस रौद्र रूप के सामने विरोधी टीम के सभी गेंदबाज पूरी तरह बेबस नजर आए। 41 गेंदों में पूरा किया ऐतिहासिक शतक मध्य प्रदेश की पारी को संभालते हुए पाटीदार ने महज 41 गेंदों में अपना शतक पूरा कर लिया। शतक पूरा करने के बाद वह और भी ज्यादा खतरनाक हो गए और आखिरी ओवरों में तेजी से रन बटोरे। इस शतकीय पारी के साथ ही रजत पाटीदार ने अपना नाम रिकॉर्ड बुक में दर्ज करा लिया है। वह सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के इतिहास में मध्य प्रदेश टीम की ओर से शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं।

बांग्लादेश सरकार का असहयोगी रवैया, तारिक रहमान ने रद्द की भारत यात्रा

मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के बाद बांग्लादेश में तारिक रहमान की सरकार बनी। उस समय रहमान ने भारत से संबंध सुधारने की बात कही थी लेकिन वह अब भारत आना टाल रहे हैं। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस और तारिक रहमान की आलोचना के बाद दोनों देशों के रिश्तों में तनाव बढ़ गया है। शेख हसीना को भारत में रहने और मीडिया से बातचीत की अनुमति देने को लेकर बांग्लादेश सरकार ने नाराजगी जताई है। अगले महीने समाप्त होने वाली गंगाजल संधि पर चर्चा के लिए प्रस्तावित वाणिज्यदूत स्तरीय वार्ता भी टाल दी गई है। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस में अपने देश के वर्तमान प्रधानमंत्री तारिक रहमान की तीखी आलोचना की जिससे भारत-बांग्लादेश संबंधों में नया तनाव आ गया। बांग्लादेश में पहले ही इस बात को लेकर नाराजगी है कि भारत ने 1 वर्ष से अधिक समय से शेख हसीना को अपने यहां रहने दिया है और उन्हें मीडिया से बात करने की आजादी दे रखी है। बांग्लादेश की सरकार बार-बार शेख हसीना को उसके हवाले करने की मांग करती रही है। भारत ने स्पष्ट किया है कि उसने शेख हसीना की प्रेस कांफ्रेंस में कोई भूमिका नहीं निभाई और न उनकी टिप्पणियों का समर्थन किया है। बांग्लादेश इससे संतुष्ट नहीं है। प्रधानमंत्री रहमान ने



अपनी भारत यात्रा रद्द कर दी और अगले सप्ताह होने वाली वाणिज्यदूत स्तरीय वार्ता भी स्थगित कर दी। इस बैठक में अगले माह समाप्त हो रही भारत-बांग्लादेश गंगाजल संधि पर चर्चा होनी थी। इस तरह का अड़ियल रवैया अपनाकर रहमान विवाद को बढ़ा रहे हैं जबकि आपसी बातचीत से मसले का समाधान किया जाना चाहिए। तनाव बनाए रखना दोनों ही देशों के लिए अच्छा नहीं कूटनीतिक तनाव बनाए रखना दोनों ही देशों के लिए अच्छा नहीं है। परंपरागत पड़ोसी देशों के बीच सद्भाव आवश्यक है। बांग्लादेश को यह नहीं भूलना चाहिए कि उसके निर्माण में भारत की अत्यंत उल्लेखनीय भूमिका रही है। भारत ने वहां प्रोजेक्ट बनाने तथा आर्थिक सहायता देने में भी कसर बाकी नहीं रखी। आज भी बांग्लादेश को बड़े पैमाने पर भारत से बिजली मिलती है। छात्र विद्रोह के बाद शेख हसीना के ढाका से दिल्ली भाग आने के उपरांत बांग्लादेश में भारत विरोधी ताकतें सक्रिय हो गई, वहां का नेतृत्व चीन और पाकिस्तान से निकटता बढ़ाने लगा। हिंदुओं में असुरक्षा मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के बाद बांग्लादेश में तारिक रहमान की सरकार बनी। उस समय रहमान ने भारत से संबंध सुधारने की बात कही थी लेकिन वहां की आंतरिक राजनीति की वजह से रहमान पर अतिवादियों का दबाव बढ़ गया और वह भारत आना टाल रहे हैं। बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार और मंदिरों की तोडफोड की घटनाएं बढ़ीं। हिंदुओं में असुरक्षा बढ़ी है। बीएसएफ के जवान पर हमला हाल ही में घुसपैठिए बांग्लादेशियों व तस्करों ने मिलकर बीएसएफ के जवान पर हमला कर उसके शस्त्र छीनने की कोशिश की। सेवा के अनुशासन की वजह से घायल जवान ने हमलावरों पर आत्मरक्षा मे गोली नहीं चलाई अन्यथा मानवाधिकार संगठन इस घटना का बेजा लाभ उठाते। बांग्लादेशियों की घुसपैठ रोकना आवश्यक है लेकिन वार्ता के बारे में बांग्लादेश का रवैया नकारात्मक बना हुआ है।

फांसी की सजा खत्म करने के प्रस्ताव पर भारत का विरोध, अमेरिका-चीन भी आए साथ



UNGA में मृत्युदंड पर रोक लगाने के प्रस्ताव के खिलाफ भारत ने वोट दिया। जानें भारत ने इसका विरोध क्यों किया और संयुक्त राष्ट्र में क्या दलीलें पेश कीं। UNGA में मृत्युदंड पर रोक के प्रस्ताव के पक्ष में 133 और विरोध में 33 देशों ने वोट दिया। भारत ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून कुछ शर्तों के साथ मृत्युदंड की अनुमति देता है। भारत को मृत्युदंड को यातना और अमानवीय व्यवहार मानने पर भी आपत्ति है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) में मृत्युदंड पर रोक लगाने से जुड़े मसौदा प्रस्ताव के खिलाफ मतदान किया है। मेक्सिको की ओर से पेश किए गए इस प्रस्ताव में सभी देशों से मृत्युदंड पर रोक लगाने और धीरे-धीरे इसे समाप्त करने की दिशा में कदम उठाने का अनुरोध किया गया था। शुक्रवार को हुए मतदान में 193 सदस्य देशों में से 133 ने प्रस्ताव के पक्ष में और 33 देशों ने इसके विरोध में वोट दिया। वहीं, 16 देश मतदान से अनुपस्थित रहे। भारत ने प्रस्ताव का विरोध करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून कुछ शर्तों और प्रतिबंधों के साथ मृत्युदंड की अनुमति देता है। भारत के मुताबिक, उचित कानूनी प्रक्रिया के तहत दी जाने वाली सजा को गैरकानूनी हत्या या अमानवीय व्यवहार के समान नहीं माना जा सकता। नाबालिगों और गर्भवती महिलाओं को मृत्युदंड नहीं देने की अपील प्रस्ताव में सभी देशों से मृत्युदंड के इस्तेमाल को धीरे-धीरे सीमित करने का अनुरोध किया गया था।

इसमें कहा गया कि 18 वर्ष से कम उम्र में अपराध करने वाले व्यक्ति को मृत्युदंड नहीं दिया जाना चाहिए। उन मामलों में भी यह सजा नहीं दी जानी चाहिए, जहां अपराध के समय व्यक्ति की उम्र 18 वर्ष से अधिक थी या नहीं, इसका सटीक निर्धारण संभव न हो। इसके अलावा, गर्भवती महिलाओं, मानसिक या बौद्धिक दिव्यांगता से ग्रस्त व्यक्तियों और बुजुर्गों को मृत्युदंड देने पर रोक लगाने की अपील की गई थी।

फिलीपींस में होने वाला आसियान समिट क्या है? यह भारत के लिए क्यों खास है

मोदी की फिलीपींस यात्रा में ASEAN-India और East Asia Summit पर क्या चर्चा होगी? चीन की बढ़ती ताकत, भारत का व्यापार घाटा, समुद्री सुरक्षा और रक्षा सहयोग एजेंडे में रहेंगे। ASEAN में 11 देश, 69.3 करोड़ की आबादी और 4.3 ट्रिलियन डॉलर की संयुक्त अर्थव्यवस्था है। चीन का बढ़ता प्रभाव, दक्षिण चीन सागर विवाद और म्यांमार का गृहयुद्ध ASEAN के सामने बड़ी चुनौतियां हैं। भारत व्यापार घाटा कम करने, बेहतर बाजार पहुंच, समुद्री सुरक्षा और ब्रह्मोस जैसे रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाना चाहता है। दुनिया में बढ़ती भू-राजनीतिक अनिश्चितता के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 16 और 17 नवंबर को फिलीपींस की राजधानी मनीला का दौरा करेंगे। इस दो दिवसीय यात्रा के दौरान वह 23वें ASEAN-India Summit और 21वें East Asia Summit में हिस्सा लेंगे। दक्षिण-पूर्व एशिया



में भारत की रणनीतिक और आर्थिक मौजूदगी को मजबूत करने के लिहाज से इस दौरे को काफी अहम माना जा रहा है। दक्षिण-पूर्व एशिया भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी और व्यापक हिंद-प्रशांत रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। हालांकि, इस समय यह क्षेत्र कई चुनौतियों से जूझ रहा है।

अमेरिका-ईरान संघर्ष, पश्चिम एशिया में जारी संकट, चीन की बढ़ती सैन्य और आर्थिक ताकत तथा अमेरिका और चीन के बीच गहराती प्रतिस्पर्धा ने इस क्षेत्र के देशों के सामने मुश्किल स्थिति पैदा कर दी है। इसके अलावा म्यांमार का गृहयुद्ध, थाईलैंड-कंबोडिया सीमा विवाद और दक्षिण चीन सागर में क्षेत्रीय दावों को लेकर तनाव भी ASEAN के लिए बड़ी चुनौतियां हैं।

क्या है ASEAN और दुनिया में कितना प्रभाव? ASEAN यानी एसोसिएशन ऑफ साउथ ईस्ट एशियन नेशंस की स्थापना 8 अगस्त 1967 को हुई थी।

ईरान-इराक सीमा के पास भीषण हादसा, गैस रिफाइनरी कर्मचारियों से भरी बस पलटी; 12 की मौत, 16 घायल



पश्चिमी ईरान के इलाम प्रांत में इराक सीमा के पास गैस रिफाइनरी के कर्मचारियों को ले जा रही एक बस पलट गई। इस दर्दनाक हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई और 16 लोग घायल हुए हैं। पश्चिमी ईरान के इलाम प्रांत में 'दश्त अब्बास-मुर्मुरी' सड़क पर शनिवार शाम पलटी कर्मचारियों की बस। बस में 'देहलोरन NGL 3100' तेल और गैस परियोजना में काम करने वाले कर्मचारी थे सवार। हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर हुई 12, जबकि 16 घायलों में से कई की हालत नाजुक।

पश्चिमी ईरान में इराक सीमा के पास गैस रिफाइनरी के कर्मचारियों को ले जा रही एक बस पलट गई, जिसमें 12 लोगों की मौत हो गई और 16 लोग घायल हो गए।

थाइलैंड: चार मंजिला बिल्डिंग में भीषण आग लगने से 11 की मौत 36 घायल; जांच शुरू

थाइलैंड के फुकेत में आग लग गई। आग किराए पर मोटरसाईकिल देने वाली दुकान में लगी और देखते ही देखते यह आग आसपास था सोमवार 16 नवंबर की सुबह थाईलैंड के पर्यटन शहर फुकेत में एक भीषण आग लगने की घटना सामने आई है। यहां पातोंग इलाके में मोटरसाइकिल किराये पर देने वाली दुकान और उससे जुड़ी व्यावसायिक इमारतों में आग फैल गई। इस हादसे में खबर लिखे जाने तक 11 लोगों की मौत और 36 लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आ रही है। जानकारी के मुताबिक, आग सोमवार तड़के करीब 3:15 से 3:20 बजे के बीच लगी। इसकी शुरुआत पातोंग इलाके में स्थित एक मोटरसाइकिल किराये पर देने वाली दुकान से हुई। कुछ ही देर में आग आसपास की इमारतों तक फैल गई। बताया जा रहा है कि इमारत के निचले



हिस्से में 100 से अधिक मोटरसाइकिलें खड़ी थीं। पेट्रोल, टायर और प्लास्टिक जैसी ज्वलनशील चीजों की मौजूदगी के कारण आग ने तेजी से विकराल रूप ले लिया। ईलैंड के पर्यटन शहर फुकेत में लगी भीषण आग चार मंजिला इमारत में आग लगने के कारण 11 लोगों की मौत 36 घायल किराये पर देने वाली मोटरसाइकिल दुकान में लगी आग, फैलते-फैलते आसपास के इमारतों में फैली आग धुएं के कारण इमारत में फंसे लोग आग लगने के समय इमारत की ऊपरी मंजिलों पर कई लोग मौजूद थे। आग के साथ तेजी से फैले घने धुएं ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दीं। धुएं के कारण उन्हें बाहर निकलने का रास्ता नहीं मिला और कई लोग इमारत के अंदर ही फंस गए। रिपोर्ट के अनुसार, हादसे में जान गंवाने वाले 11 लोगों में से 10 के शव ऊपरी मंजिल पर मिले, जबकि एक शव तीसरी मंजिल से बरामद किया गया। बचाव दल ने घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका थाईलैंड के पर्यटन शहर फुकेत में लगी भीषण आग की घटना की सूचना मिलते ही दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने करीब एक से दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इसके बाद राहत और बचाव अभियान चलाया गया। शुरुआती जांच में आग लगने की वजह बिजली की शॉर्ट सर्किट होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, अधिकारियों ने अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

स्मार्ट मीटर से नागपुर-वर्धा के

दावा किया गया है। महावितरण के मुख्य अभियंता राजेश नाईक ने उपभोक्ताओं से स्मार्ट मीटर के वास्तविक लाभ समझने की अपील की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्मार्ट मीटर लगाने के लिए महावितरण की ओर से कोई शुल्क नहीं लिया जाता। इसे लगाने की पूरी प्रक्रिया मुफ्त है। मोबाइल एप पर देख सकेंगे बिजली का इस्तेमाल स्मार्ट मीटर लगने के बाद उपभोक्ता महावितरण के मोबाइल एप के जरिए बिजली की खपत का रियल टाइम डेटा देख सकते हैं। इसमें प्रति घंटे और प्रतिदिन कितनी बिजली खर्च हुई, इसकी जानकारी उपलब्ध होती है। इस सुविधा से ग्राहक अपने बिजली उपयोग पर नजर रख सकते हैं और जरूरत के अनुसार खपत की योजना बना सकते हैं। साथ ही, दिन के निर्धारित समय में बिजली का उपयोग करके प्रति यूनिट मिलने वाली छूट का लाभ भी उठा सकते हैं।

झीलों में 84% से कम पानी

को वर्षा जल संचयन भी तैयार करना होता है जिसके बाद ही बीएमसी की तरफ से ओसी दी जाती है। वहीं नगरसेवकों का कहना है कि कितनी इमारतें वर्षा जल संचयन से जमा किया पानी का इस्तेमाल कर रहीं है। इसका डेटा बीएमसी को उपलब्ध कराना चाहिए और नियमों का पालन नहीं करने वाली सोसायटियों पर जुर्माना लगाना चाहिए। मनपा मुलुंड और घाटकोपर सहित विभिन्न इलाकों में अपनी संपत्तियों पर ऐसी प्रणालियां स्थापित करने की योजना बना रही है। प्रत्येक इमारतों में रेन वाटर होना जरुरी बीएमसी सदन नेता गणेश खणकर ने कहा कि शहर के प्रत्येक इमारतों में रेन वाटर होना जरुरी है, बिना इसके बीएमसी की तरफ से ओसी नहीं दी जाती है। मैं इस मुद्दे को बीएमसी सदन में भी उठाया हूं कि बीएमसी को समय-समय पर इमारतों का ऑडिट करना चाहिए कि उनमें वर्षा जल संचयन हो रहा है या नहीं। जल संकट को देखते हुए भविष्य में शहर के सभी इमारतों में बीएमसी की तरफ से 75 प्रतिशत पानी देना और अन्य 25 प्रतिशत पानी जिसमे शौचालय के फ्लश, गाड़ी धोने व अन्य काम के लिए सोसाइटी को बोरवेल से लेना पड़े, ऐसे नियम लाने की जरुरत है। 34% पानी चोरी व रिसाव में बर्बाद बीएमसी सदन नेता गणेश खणकर ने कहा कि शहर के प्रत्येक इमारतों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग (वर्षा जल संचयन) का होना जरुरी है, बिना इसके बीएमसी की तरफ से ओसी नहीं दी जाती है। मैं इस मुद्दे को बीएमसी सदन में भी उठाया हूं कि बीएमसी को समय-समय पर इमारतों का ऑडिट करना चाहिए कि उनमें वर्षा जल संचयन हो रहा है या नहीं। जल संकट को देखते हुए भविष्य में शहर के सभी इमारतों में बीएमसी की तरफ से 75 प्रतिशत पानी देना और अन्य 25 प्रतिशत पानी जिसमें शौचालय के पलश, गाड़ी धोने व अन्य काम के लिए सोसाइटी को बोरवेल से लेना पड़े, ऐसे नियम लाने की जरुरत है। कांग्रेस के बीएमसी गुट नेता अशरफ आजमी ने कहा बीएमसी जो नियम बनाती है, यह वाकई अमल हो रहा है र बीएमसी के पास बैंक अप प्लान ही नहीं है। अगर कोई इमारत वर्षा जल संचयन पर काम नहीं करती तो नियम के मुताबिक कुछ जुर्माने का प्रावधान होगा। अगर बीएमसी वर्षा जल संचयन के प्रति गंभीर होती तो हर मानसून में अपने कर्मचारियों को भेजकर जांच करने की कोशिश करती कि कितनी सोसाइटी रेन वाटर हार्वेस्टिंग सही मायने में कर रही है। पानी कटौती का उल्लेख वर्तमान में मुंबई में कम बारिश और अल नीनो के प्रभाव के कारण 10 प्रतिशत पानी कटौती लागू होने की स्थिति का उल्लेख करते हुए विधायक संजय उपाध्याय ने कहा कि शहर में पानी की बचत और वर्षा जल संचयन को लेकर गंभीरता से काम करने की जरूरत है। सड़कों और हाउसिंग सोसायटियों में बड़े पैमाने पर पेवर ब्लॉक लगाए गए हैं। पेड़ों की अंधाधुंध कटाई के कारण हरित क्षेत्र प्रभावित हो रहा है। ऐसे में सोसायटियों में वर्षा जल संचयन के लिए कुएं बनाने की पहल भविष्य में पानी की उपलब्धता बढ़ाने में मददगार साबित हो सकती है। भूजल रिचार्ज पिट बनाने पर जोर इसके अलावा दादर के शिवाजी पार्क में करीब 4 करोड़ रुपए की लागत से बनाई गई वर्षा जल संचयन परियोजना को दोबारा सक्रिय करने पर भी काम किया गया है। इस परियोजना में पार्क की परिधि में 35 कुएं बनाए गए है। इसके अलावा मनपा पुराने खुले कुओं के पुनरुद्धार और विभिन्न वार्डों में भूजल रिचार्ज पिट बनाने पर भी ध्यान दे रही है। बोरीवली विधानसभा

प्रिंस विलियम और केट मिडल्टन

मुंबई की पहली भूमिगत मेट्रो एक्वा लाइन में आम सफर करके शहरवासियों को खासा आकर्षित किया। उन्होंने दक्षिण मुंबई स्थित विधान भवन मेट्रो स्टेशन से ट्रेन में प्रवेश किया और बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स तक का सुगम और आधुनिक भूमिगत मेट्रो सफर तय किया। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में प्रिंस विलियम और प्रिंसेस केट ट्रेन के भीतर अधिकारियों और यात्रियों से बेहद सहज अंदाज में बातचीत करते नजर आए। पर्यावरण-अनुकूल परिवहन का संदेश शाही परिवार की इस मेट्रो यात्रा का मुख्य उद्देश्य भारत और ब्रिटेन के बीच आर्थिक विकास और ग्रीन सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना था। मुंबई शहर के नीचे बनी इस अत्याधुनिक मेट्रो लाइन में सफर करके शाही जोड़े ने भारत के आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर और टिकाऊ शहरी परिवहन की सराहना की। मेट्रो प्रशासन ने भी इस यात्रा को एक्वा लाइन के लिए एक ऐतिहासिक और गौरवशाली क्षण करार दिया। प्रिं सचिन तेंदुलकर के साथ गल्ली क्रिकेट मेट्रो सफर से पहले, प्रिंस विलियम और प्रिंसेस केट ने दक्षिण मुंबई के बलार्ड एस्टेट में भारतीय क्रिकेट के सर्वकालिक महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर और स्कूली बच्चों के साथ गल्ली क्रिकेट का लुत्फ उठाया। इस दोस्ताना मुकाबले में प्रिंस विलियम ने गेंदबाजी की, जबकि प्रिंसेस केट और सचिन तेंदुलकर ने बल्ला थामकर कुछ खूबसूरत शॉट्स लगाए। क्रिकेट खेलने के बाद शाही जोड़े ने पारंपरिक ढोल-ताशा के संगीत के बीच मिट्टी के कुल्हड़ में गरमा-गरम चाय की चुस्कियां भी लीं। 10 साल पहले भी सचिन के साथ खेला था क्रिकेट यह अनुभव शाही जोड़े और मुंबई के बीच 10 साल पुराने खास जुड़ाव को ताजा कर गया। इससे पहले शाही जोड़े ने अप्रैल 2016 में भारत यात्रा के दौरान मुंबई के ओवल मैदान में सचिन तेंदुलकर के साथ क्रिकेट खेला था। ठीक एक दशक बाद, 2026 में एक बार फिर मुंबई की सरजमीं पर कदम रखते ही सचिन तेंदुलकर के साथ क्रिकेट की उसी पुरानी याद को दोहराना दोनों देशों के बीच मजबूत सांस्कृतिक व खेल संबंधों का प्रतीक बन गया। स विलियम के भारत दौरे का मुख्य उद्देश्य शाही जोड़े के इस 3-दिवसीय भारत दौरे का मुख्य केंद्र अर्थशॉट प्राइज़ 2026 समारोह है। प्रिंस विलियम द्वारा साल 2020 में शुरू किए गए इस वैश्विक पर्यावरण पुरस्कार का 6वां वार्षिक समारोह मंगलवार (17 नवंबर) को मुंबई में आयोजित हो रहा है, जिसमें जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संरक्षण के 5 विजेताओं में से प्रत्येक को 1 मिलियन पाउंड की पुरस्कार राशि दी जाएगी। मुंबई के कार्यक्रमों के बाद, शाही जोड़ा बुधवार को नई दिल्ली जाएगा, जहां वे भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार मुलाकात करेंगे।

दिन में गर्मी, रात में ठंड; अगले

में ठंड रहने की उम्मीद है। इन इलाकों में मैक्सिमम टेम्परेचर 30 से 33 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है, जबकि मिनिमम टेम्परेचर 15 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। धुले में मिनिमम टेम्परेचर 10.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इस वजह से नॉर्थ महाराष्ट्र में सुबह के समय ठंड का एहसास और बढ़ सकता है। इस बीच, कुछ जगहों पर मैक्सिमम टेम्परेचर में 1 डिग्री की बढ़ोतरी होने की संभावना है। पश्चिमी महाराष्ट्र में न्यूनतम तापमान में गिरावट पुणे, सतारा, सांगली, कोल्हापुर, सोलापुर और अहिल्यानगर जिलों में मौसम सूखा रहेगा और आसमान में हल्के बादल छाए रहेंगे। अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है, जबकि न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। हालांकि अगले 2 से 3 दिनों में अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा, लेकिन न्यूनतम तापमान में गिरावट की संभावना है। कुछ जगहों पर पारा 12 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है, जिससे ठंड और बढ़ सकती है। मराठवाड़ा और विदर्भ में क्या है हाल? मराठवाड़ा में दिन में मौसम गर्म और रात में ठंडा रहने की संभावना है। मैक्सिमम टेम्परेचर 34 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है, जबकि मिनिमम टेम्परेचर 20 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है। अगले 2 दिनों के बाद मिनिमम टेम्परेचर में 1 डिग्री की कमी आ सकती है। दूसरी ओर, नागपुर, अमरावती, अकोला, बुलढाणा, चंद्रपुर, गड़चिरोली और गोंदिया समेत विदर्भ के ज़्यादातर जिलों में मौसम का कोई अलर्ट जारी नहीं किया गया है। आसमान साफ रहने और मौसम सूखा रहने की संभावना है। यहां मैक्सिमम टेम्परेचर 31 डिग्री सेल्सियस तक रह सकता है, जबकि मिनिमम टेम्परेचर 17 डिग्री सेल्सियस तक रह सकता है। लोगों को किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? कुल मिलाकर, अगले 2 से 3 दिनों तक महाराष्ट्र में बारिश का कोई संकेत नहीं है और मौसम सूखा रहने की संभावना है। हालांकि, मिनिमम टेम्परेचर में गिरावट के कारण रात और सुबह-सुबह ठंड बढ़ सकती है। इसलिए, लोगों को सुबह-सुबह और रात में बाहर निकलते समय गर्म कपड़ों का इस्तेमाल करना चाहिए। क्योंकि दिन में गर्मी लगती है, इसलिए काफ़ी पानी पीना और बदलते टेम्परेचर के हिसाब से अपना ध्यान रखना भी ज़रूरी है।

मफलर मैन के नाम पर फडणवीस

को लेकर सवाल उठाने वाले रोहित पवार ने इस बार मफलर मैन के मुद्दे पर सीधे मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का नाम सामने रखा। उन्होंने मुख्यमंत्री की एक तस्वीर दिखाते हुए वीके सिंह के परिवार के साथ उनके कथित करीबी संबंधों पर सवाल उठाए। रोहित पवार ने आरोप लगाया कि जांच CBI को सौंपने में देरी क्यों रोहित पवार ने आरोप लगाया कि प्रभावशाली राजनीतिक संबंधों के कारण VSR और उसके मालिक के खिलाफ कार्रवाई नहीं हो रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री से पूछा कि यदि सरकार अजित पवार को न्याय दिलाना चाहती है तो जांच सीबीआई को सौंपने में देरी क्यों हो रही है? इस घटनाक्रम का देवेंद्र फडणवीस के लिए सकारात्मक पक्ष भी है। यदि सरकार निष्पक्ष जांच कराती है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होती है तो मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस अपनी पारदर्शी प्रशासनिक छवि को मजबूत कर सकते हैं।

जनवरी 2027 में आम जनता के

शुरू करने का लक्ष्य। मुं जयंती पर हो सकती है शुरुआत उल्लेखनीय है कि इस वर्ष स्व.बालासाहेब की जनशताब्दी वर्ष भी मनाया जा रहा है। बालासाहेब ठाकरे मेमोरियल को उनके जन्मशताब्दी वर्ष 2026 में ही खोलने की योजना थी,परंतु काम पूरा न हो सका। अब संभावना है कि 23 जनवरी 2027 को उनकी जयंती के अवसर पर यह यह राष्ट्रीय स्मारक आम जनता के लिए खोला जाएगा। निर्माण कार्य लगभग पूरा होने के बावजूद स्मारक को आम जनता के लिए खोलने में प्रशासनिक और संचालन संबंधी प्रक्रियाएं पूरी की जाएंगी। महत्वपूर्ण बनी हुई हैं। एमएमआरडीए स्मारक के रखरखाव, सुरक्षा, साफ-सफाई, तकनीकी व्यवस्था और आगंतुक सेवाओं के लिए एकीकृत सुविधा प्रबंधन एजेंसी नियुक्त करने की तैयारी कर रहा है। ट्रस्ट के पुनर्गठन और चुनाव संबंधी प्रक्रियाओं के कारण भी परियोजना के संचालन में देरी हुई है। बई शिवसेना के संस्थापक और देश में हिंदुत्व की राजनीति के प्रमुख पैरोकार रहे स्वर्गीय बालासाहेब ठाकरे की स्मृतियों को संजोने के लिए मुंबई के दादर स्थित ऐतिहासिक महापौर बंगले में बनाया जा रहा 'बालासाहेब ठाकरे राष्ट्रीय स्मारक' अब अपने अंतिम पड़ाव की ओर है। मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) की ओर से विकसित इस महत्वाकांक्षी परियोजना का पहला चरण दिसंबर 2024 में ही पूरा हो चुका है। अब दूसरे चरण के तकनीकी कार्यों और स्मारक के संचालन की तैयारियां की जा रही हैं।

पृष्ठ 1/8 का शेष

MHT CET 2027-28 का टाइमटेबल जारी

राज्य सामाईक प्रवेश परीक्षा कक्ष (सीईटी सेल) ने शैक्षणिक वर्ष 2027-28 के लिए विभिन्न व्यावसायिक स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षाओं का संभावित कार्यक्रम घोषित कर दिया है। इस वर्ष कुल 21 सीईटी परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। इनमें से 11 पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों को दो बार परीक्षा देने का अवसर मिलेगा। यह जानकारी राज्य के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत दादा पाटील ने दी। मंत्री पाटील ने बताया कि इस वर्ष से पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट (पीजीडीएम), पोस्ट ग्रेजुएट सर्टिफिकेट इन मैनेजमेंट (पीजीसीएम) और जनरल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी (जीएनएम) पाठ्यक्रमों के लिए पहली बार सीईटी आयोजित की जाएगी। जनवरी 2027 से परीक्षाएं शुरू होंगी और 10 जून तक अलग-अलग पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षाएं पूरी होंगी। वर्ष 2026 में आयोजित 20 सीईटी परीक्षाओं के लिए 18 लाख 14 हजार 456 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया था। इनमें से 16 लाख 31 हजार 335 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए थे। विद्यार्थियों को अधिक अवसर देने के उद्देश्य से इस बार दो बार परीक्षा आयोजित करने वाले पाठ्यक्रमों की संख्या तीन से बढ़ाकर 11 कर दी गई है। 11 पाठ्यक्रमों के लिए दो बार परीक्षा अब तक पीसीएम, पीसीबी और एमबीए/एमएमएस की सीईटी दो बार आयोजित की जाती थी। इस व्यवस्था को मिले अच्छे प्रतिसाद के बाद इसमें आठ और पाठ्यक्रम शामिल किए गए हैं। अब पीसीएम, पीसीबी, एमबीए/एमएमएस, पीजीडीएम, पीजीसीएम, पांच वर्षीय एलएलबी, बीएचएमसीटी, बीसीए, बीबीए, बीएमएस और बीबीएम की परीक्षाएं दो बार होंगी। विद्यार्थियों के लिए पहली सीईटी देना अनिवार्य होगा, जबकि दूसरी परीक्षा देना उनकी इच्छा पर निर्भर करेगा। यदि कोई विद्यार्थी दोनों परीक्षाएं देता है, तो प्रवेश के लिए उसके बेहतर पर्सेंटाइल वाले परीक्षा परिणाम को मान्य किया जाएगा। पीजीडीएम, पीजीसीएम और जीएनएम की पहली बार सीईटी सरकार के निर्देश के अनुसार पीजीडीएम, पीजीसीएम और जीएनएम नर्सिंग पाठ्यक्रमों के लिए पहली बार प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। पीजीडीएम और पीजीसीएम की परीक्षा दो बार होगी और इसे एमबीए सीईटी के साथ ही आयोजित किया जाएगा। दो बार होने वाली सीईटी की संभावित तारीखें एमबीए/एमएमएस, पीजीडीएम और पीजीसीएम की पहली परीक्षा 28 से 30 जनवरी 2027 के बीच होगी, जबकि दूसरी परीक्षा 1 से 3 अप्रैल 2027 तक आयोजित की जाएगी। पांच वर्षीय एलएलबी की पहली परीक्षा 28 और 29 मार्च को तथा दूसरी परीक्षा 24 मई को होगी। पीसीबी समूह की पहली परीक्षा 8 से 13 अप्रैल और दूसरी परीक्षा 6 से 8 मई के बीच होगी। पीसीएम समूह की पहली परीक्षा 16 से 26 अप्रैल और दूसरी परीक्षा 10 से 15 मई तक आयोजित की जाएगी। बीएचएमसीटी, बीसीए, बीबीए, बीएमएस और बीबीएम की पहली परीक्षा 28 से 30 अप्रैल तथा दूसरी परीक्षा 27 और 28 मई को होगी। अन्य पाठ्यक्रमों की परीक्षा का कार्यक्रम एमएचएमसीटी की परीक्षा 24 मार्च, एमसीए की 27 मार्च, एएसी (कला शिक्षा) की 11 अप्रैल और बी.डिजाइन की 18 अप्रैल को होगी। तीन वर्षीय एलएलबी की परीक्षा 4 और 5 मई, डीपीएन/पीएचएन की 18 मई, नर्सिंग की 18 और 19 मई तथा जीएनएम नर्सिंग की 21 और 22 मई को आयोजित की जाएगी। एमपीएड की परीक्षा 5 जून, एमएड की 6 जून और बीएड (जनरल एवं स्पेशल), बीएड (ईएलसीटी) तथा बीपीएड की परीक्षाएं 8 से 10 जून 2027 के बीच होंगी। इस वर्ष तीन वर्षीय एकीकृत बीएड-एमएड पाठ्यक्रम की सीईटी आयोजित नहीं की जाएगी। राज्य में यह पाठ्यक्रम केवल एक संस्थान में संचालित है। यहां कुल 55 सीटों में से इस वर्ष सिर्फ 12 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। इसी वजह से परीक्षा नहीं लेने का निर्णय किया गया है। विद्यार्थियों और संस्थानों की मांग को देखते हुए एमपीएड, एमएड और बीएड की परीक्षाएं इस बार जून में रखी गई हैं। सीईटी सेल ने स्पष्ट किया है कि घोषित कार्यक्रम संभावित है। विद्यार्थियों को अंतिम तारीखों और अन्य निर्देशों के लिए आधिकारिक सीईटी सेल की वेबसाइट पर नजर रखनी चाहिए।

महाराष्ट्र सरकार की बड़ी पहलः

की पहचान की है। समिति अब ऐसी महिला कैदियों की पहचान करेगी, जिन्हें उनके आचरण, सजा की अवधि और अन्य निर्धारित मानकों के आधार पर ओपन जेल में रहने के योग्य माना जा सकता है। साथ ही उनके लिए रोजगार के अवसर भी तलाशे जाएंगे। जिन महिलाओं के परिवार उनके साथ रहने को तैयार होंगे, उन्हें प्राथमिकता देने पर विचार किया जा रहा है। जेल में बंद मां से दूर बाल देखभाल संस्थानों में रह रहे बच्चों को भी उनके साथ रखने की संभावना तलाशी जा रही है। ओपन प्रिजन कॉलोनी फॉर वुमेन नासिक और छत्रपति संभाजीनगरः दो स्थानों की पहचान नासिक और छत्रपति संभाजीनगर में कॉलोनी बनाने के लिए संभावित जगहें विहिनत की गई हैं। कौन बना रहा योजना?ः बॉम्बे हाईकोर्ट की न्यायाधीश जस्टिस भारती डांगरे की अध्यक्षता वाली समिति। इसमें गृह विभाग और जेल प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी शामिल है।। सामान्य जेल से कैसे अलग? : सामान्य जेल में कैदी सीमित परिसर में रहते हैं। औपन कॉलोनी में पात्र कैदियों को अपेक्षाकृत अधिक स्वतंत्रता मिलेगी। ये परिवार के साथ रहकर काम कर सकेंगी। कैसे काम करेगी? पात्र महिला कैदियों का चयन होगा। उनके रहने, परिवार को साथ रखने और रोजगार की व्यवस्था की जाएगी, बच्चों की शिक्षा और देखभाल पर भी विचार होगा। राज्य का मौजूदा मॉडलः महाराष्ट्र में 19 खुली जेल सुविधाएं है।

स्मार्ट मीटर से नागपुर-वर्धा के ग्राहकों ने बचाए 10.37 करोड़

दिन में बिजली इस्तेमाल पर मिल रही 85 पैसे की छूट

महावितरण के स्मार्ट टीओडी मीटर से नागपुर और वर्धा के उपभोक्ताओं ने सात महीनों में 10.37 करोड़ रुपये बचाए। दिन में बिजली इस्तेमाल पर 85 पैसे प्रति यूनिट की छूट मिल रही है। अप्रैल से अक्टूबर 2026 तक नागपुर और वर्धा में 10.37 करोड़ रुपये से अधिक की बचत। सुबह 9 से शाम 5 बजे तक बिजली उपयोग पर 85 पैसे प्रति यूनिट की छूट। अक्टूबर में 5,01,572 उपभोक्ताओं को कुल 1.44 करोड़ रुपये की राहत मिली। महावितरण के स्मार्ट टीओडी मीटर से नागपुर और वर्धा जिले के घरेलू बिजली उपभोक्ताओं ने अप्रैल से अक्टूबर 2026 के बीच 10.37 करोड़ रुपये से अधिक की बचत की है। सुबह 9 से शाम 5 बजे तक बिजली इस्तेमाल करने पर 85 पैसे प्रति यूनिट की छूट मिल रही है। जल्द ही यह छूट बढ़कर 1 रुपये प्रति यूनिट होने की संभावना है। सात महीनों में 10.37 करोड़ की बचत महंगाई के दौर में नागपुर शहर और वर्धा जिले के बिजली उपभोक्ताओं को महावितरण के स्मार्ट टीओडी मीटर से आर्थिक राहत मिल रही है। इन दोनों



जिलों के घरेलू बिजली ग्राहकों ने अप्रैल से अक्टूबर 2026 तक सात महीनों में बिजली बिल पर कुल 10.37 करोड़ रुपये से अधिक की बचत की है। महावितरण के स्मार्ट टीओडी मीटर धारकों को सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक बिजली का इस्तेमाल करने पर प्रति यूनिट 85 पैसे की सीधी छूट दी जा रही है। इस अवधि में नागपुर जिले के उपभोक्ताओं ने 8.86 करोड़ रुपये, जबकि वर्धा जिले के ग्राहकों ने 1.51 करोड़ रुपये की बचत की है। अक्टूबर में 5 लाख से अधिक ग्राहकों को लाभ महावितरण के उपमुख्य जनसंपर्क अधिकारी योगेश विटणकर ने बताया कि इस छूट का लाभ लेने वाले उपभोक्ताओं की संख्या हर महीने बढ़ रही है। अक्टूबर में 5,01,572 ग्राहकों को कुल 1.44 करोड़ रुपये की छूट मिली। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र विद्युत नियामक आयोग (एमईआरसी) के आदेश के अनुसार वर्तमान में मिल रही 85 पैसे प्रति यूनिट की छूट निकट भविष्य में बढ़कर 1 रुपये प्रति यूनिट होने वाली है। इस लाभ के लिए उपभोक्ताओं के घरों में स्मार्ट टीओडी मीटर होना आवश्यक है। स्मार्ट मीटर लगाने का शुल्क नहीं महावितरण ने स्मार्ट मीटर लगाने की शुरुआत अपने कार्यालयों और कर्मचारी आवासीय परिसरों से की थी। कुछ क्षेत्रों में इन मीटरों को लेकर गलतफहमियां फैलने और विरोध की कोशिशें भी हुई थीं। हालांकि, मीटर से मिलने वाली आर्थिक बचत सामने आने के बाद विरोध कम होने का...शेष 7 पर

प्रिंस विलियम और केट मिडल्टन ने की मुंबई मेट्रो की सवारी, विधान भवन से BKC तक किया सफर



प्रिंस विलियम और प्रिंसेस केट ने मुंबई दौरे पर एक्वा लाइन मेट्रो में सफर किया। इससे पहले सचिन तेंदुलकर के साथ गल्ली क्रिकेट खेला। जानिए भारत दौरे की खास बातें। शाही जोड़े और मुंबई के बीच दस साल पुराना खास जुड़ाव ताजा हुआ। सचिन तेंदुलकर के साथ क्रिकेट खेलकर पुरानी यादों को फिर से दोहराया गया। यह ऐतिहासिक पल दोनों देशों के बीच मजबूत सांस्कृतिक और खेल संबंधों का प्रतीक है। ब्रिटेन के प्रिंस विलियम और उनकी पत्नी प्रिंसेस ऑफ वेल्स कैथरीन अपने तीन दिवसीय भारत दौरे के दौरान मुंबई पहुंचे हैं। इस खास दौरे पर शाही जोड़े ने ...शेष 7 पर

दिन में गर्मी, रात में ठंड; अगले 3 दिनों कैसा रहेगा महाराष्ट्र का मौसम?



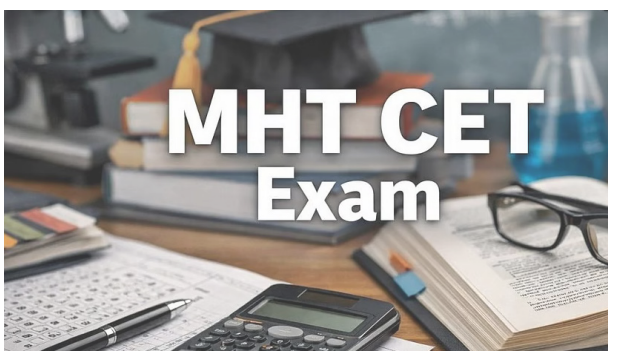
महाराष्ट्र में दिन के समय गर्मी और रात-सुबह ठंड का असर देखने को मिल रहा है। धुले में न्यूनतम तापमान 10.8 डिग्री दर्ज किया गया है। महाराष्ट्र में अगले 2 से 3 दिनों तक मौसम का मिला-जुला असर रहने की संभावना है। दिन में तापमान 33 से 34 डिग्री तक पहुंच सकता है। उत्तर महाराष्ट्र में सुबह की ठंड बढ़ रही है। धुले में न्यूनतम तापमान 10.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़ और रत्नागिरी में मौसम गर्म और सूखा रहने की संभावना है। महाराष्ट्र में अभी दो अलग-अलग मौसम पैटर्न देखने को मिल रहे हैं। दिन में गर्म और सूखा मौसम, जबकि रात और सुबह ठंड बढ़ रही है, लोगों को मिला-जुला मौसम महसूस हो रहा है। जैसे-जैसे मिनिमम टेम्परेचर कम हो रहा है, ठंड बढ़ रही है, और अगले 2 से 3 दिनों तक राज्य में मौसम ऐसा ही रहने की उम्मीद है। इस बीच, हालांकि बंगाल की खाड़ी में एक साइक्लोन बन रहा है, लेकिन मौसम के अनुमान से यह साफ है कि इसका महाराष्ट्र पर कोई खास असर पड़ने की संभावना नहीं है। दिन में गर्मी, रात में ठंड; टेम्परेचर में उतार-चढ़ाव राज्य में कई जगहों पर मैक्सिमम टेम्परेचर 33 से 34 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा है। इस वजह से दोपहर में सूरज की गर्मी महसूस हो रही है। हालांकि, रात और सुबह के समय मिनिमम टेम्परेचर कम होने से माहौल ठंडा हो गया है। खासकर नॉर्थ महाराष्ट्र और वेस्ट महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में ठंड का असर ज़्यादा महसूस हो रहा है। अगले कुछ दिनों में बारिश की संभावना कम है, और ज़्यादातर जिलों में मौसम सूखा रहने की उम्मीद है। कोंकण में गर्म और सूखा मौसम मुंबई, थाने, पालघर, रायगढ़ और रत्नागिरी समेत कोंकण इलाके में गर्म और सूखा मौसम रहने की संभावना है। इस इलाके में ज़्यादा से ज़्यादा तापमान 33 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है, जबकि कम से कम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। हालांकि दिन में गर्मी महसूस हो सकती है, लेकिन रात और सुबह के समय माहौल थोड़ा ठंडा रहने की संभावना है। इसलिए, लोगों को दिन में गर्मी और रात में ठंड के दोहरे मौसम का सामना करना पड़ सकता है। क्या नॉर्थ महाराष्ट्र में ठंड बढ़ेगी? धुले, नंदुरबार, जलगांव और नासिक जिलों में दिन में हल्के बादल छाए रहेंगे और मौसम गर्म रहेगा, जबकि रात ...शेष 7 पर

महाराष्ट्र सरकार की बड़ी पहल: महिला कैदियों के लिए ओपन जेल कॉलोनी, रह सकेंगी बच्चों और परिवार के साथ



महाराष्ट्र सरकार महिला कैदियों के पुनर्वास के लिए पहली ओपन जेल कॉलोनी बनाने की तैयारी कर रही है। नासिक और छत्रपति संभाजीनगर में संभावित स्थान चिह्नित किए गए हैं। महाराष्ट्र सरकार राज्य में पहली बार महिलाओं के लिए ओपन जेल कॉलोनी बनाने की तैयारी कर रही है, जहां पात्र कैदी परिवार के साथ रह सकेंगी। बॉम्बे हाईकोर्ट की न्यायाधीश जस्टिस भारती डांगरे की अध्यक्षता वाली समिति ने दोनों शहरों में संभावित स्थानों की पहचान की है। योजना में महिला कैदियों के बच्चों को उनके साथ रखने और उनकी शिक्षा व देखभाल की व्यवस्था पर भी विचार किया जा रहा है। सजा काट रहीं महिला कैदियों के पुनर्वास की दिशा में महाराष्ट्र सरकार एक नई पहल करने जा रही है। राज्य में पहली बार महिलाओं के लिए ऐसी ओपन जेल कॉलोनी बनाने की योजना है, जहां पात्र महिला कैदी अपने बच्चों और परिवार के साथ रह सकेंगी। उन्हें जेल की चारदीवारी से बाहर काम करने और आजीविका कमाने का अवसर भी मिलेगा। बॉम्बे हाईकोर्ट की न्यायाधीश जस्टिस भारती डांगरे की अध्यक्षता वाली समिति ने नासिक और छत्रपति संभाजीनगर में इसके लिए दो संभावित स्थान चिह्नित किए हैं। योजना को अगले वर्ष शुरू करने की तैयारी है। सुको के निर्देश के बाद महाराष्ट्र में जेल सुधारों की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है। शीर्ष अदालत ने फरवरी 2026 में राज्यों को नई खुली और अर्ध-खुली जेल सुविधाएं स्थापित करने, मौजूदा संस्थानों में रिक्तियां भरने और पात्र कैदियों को वहां स्थानांतरित करने की प्रक्रिया पर निगरानी रखने के निर्देश दिए थे। अतिरिक्त महानिदेशक सुहास वारके भी शामिल इसके बाद जून में महाराष्ट्र सरकार ने जस्टिस भारती डांगरे की अध्यक्षता में समिति गठित की। इसमें गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव राधिका रस्तोगी और जेल एवं सुधार सेवाओं के अतिरिक्त महानिदेशक सुहास वारके भी शामिल हैं। समिति ने नासिक और छत्रपति संभाजीनगर में संभावित स्थानों ...शेष 7 पर

MHT CET 2027-28 का टाइमटेबल जारी: अब 11 कोर्स की परीक्षाएं साल में दो बार, जानें पूरी डेटशीट और बड़े बदलाव



महाराष्ट्र सीईटी सेल ने 2027-28 की 21 परीक्षाओं का संभावित शेड्यूल जारी किया। इस साल 11 कोर्स के छात्रों को दो बार परीक्षा देने का मौका मिलेगा, देखें पूरी तारीखें। महाराष्ट्र CET 2027-28 के लिए कुल 21 प्रवेश परीक्षाओं का संभावित कार्यक्रम जारी हुआ। 11 पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों को दो बार परीक्षा देने का विकल्प मिलेगा। पीजीडीएम, पीजीसीएम और जीएनएम के लिए पहली बार सीईटी आयोजित होगी। परीक्षाएं जनवरी 2027 से शुरू होकर 10 जून तक पूरी होंगी। महाराष्ट्र ...शेष 7 पर

यह दैनिक मालक-मुद्रक-प्रकाशक, संपादक मोहम्मद शकील अब्दुल रफीक ने सिटी इन्टरप्राजेस धरती कॉम्पलेक्स शॉप नं. 11, एवरशाईन नगर, मिरा रोड (पूर्व), जिल्हा - ठाणे से प्रकाशित किया, मुख्य कार्या लय- धरती कॉम्पलेक्स शॉप नं. 11, एवरशाईन नगर, मिरा रोड (पूर्व), जिल्हा - ठाणे महाराष्ट्र।मुंबई कार्या लय- शॉप नं. 14 उपाध्याय इंडस्ट्रियल इस्टेट, दहिसर चेक नाका, मुंबई इस समाचार पत्र में प्रकाशित सभी समाचारों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है किसी भी विवाद का निपटारा मा. ठाणे न्यायालय के अधीन होगा संपादक मो. शकील अ. रफीक : मो. 9869128483
Email : shakeelsahara@gmail.com / citynewsmumbai@gmail.com website : www.citynewsmumbai.in RNI No. : MAHHIN/2012/47486